संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 246
पृष्ठ 8
मंगलवार
26 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शाम की चाय के साथ बनाएं टेस्टी...

विचार- सात अपीलें सरकार कीं, आठवीं...

खेल- जिन टीमों को प्लेऑफ के लिए चुना...

योगी ने की राज्य कर विभाग की समीक्षा, बोले-

व्यापारियों को सुविधा, सम्मान और त्वरित समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य कर विभाग को निर्देश दिए हैं कि कर संग्रह बढ़ाने के साथ–साथ ईमानदार व्यापारियों को सुविधा, सम्मान और त्वरित समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। राज्य की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने में राज्य कर विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और विभाग को राजस्व वृद्धि के साथ विश्वास आधारित प्रशासन का मॉडल प्रस्तुत करना होगा। सोमवार को राज्य कर विभाग के शासन, मुख्यालय और फील्ड स्तरीय अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि कर प्रणाली को अधिक सरल, डिजिटल और जवाबदेह बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जीएसटी पंजीयन, रिटर्न दाखिले, अपील निस्तारण और रिफंड जैसी

प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने व्यापारियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने, छोटे कारोबारियों को जागरूक करने तथा जिला एवं खंड स्तर तक करदाता सहायता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर कर चोरी रोकने के साथ–साथ वैध व्यापार को प्रोत्साहन देना आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य ने जीएसटी और वैट मद में कुल 1,15,977 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जो पुनरीक्षित अनुमान का लगभग 98.8 प्रतिशत रहा। जीएसटी में उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि महाराष्ट्र प्रथम और कर्नाटक तीसरे स्थान पर रहे। बैठक में यह भी बताया गया कि जीएसटी बकाया के रूप में 2658 करोड़ रुपये जमा हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 228 प्रतिशत अधिक हैं। वहीं वैट बकाया के रूप में 800 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो गत वर्ष से 29 प्रतिशत अधिक है। प्रवर्तन इकाइयों के माध्यम से 2071 करोड़ रुपये की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक रही। अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए विभाग को कुल 1,98,071 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें जीएसटी का लक्ष्य 1,49,956 करोड़ रुपये तथा वैट का लक्ष्य 48,115 करोड़ रुपये है। अप्रैल 2026 में राज्य ने 10,896 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9.6 प्रतिशत अधिक है। जोनवार समीक्षा में बताया गया कि अप्रैल 2026 में राज्य के अधिकांश जोनों में राजस्व वृद्धि दर्ज की गई। गौतमबुद्ध नगर जोन ने 1506 करोड़ रुपये के संग्रह के साथ 18 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की, जबकि गत वर्ष इसी अवधि के सापेक्ष इस वर्ष सहारनपुर जोन में 35.1 प्रतिशत और वाराणसी प्रथम जोन में 33.2 प्रतिशत वृद्धि रही। मुरादाबाद जोन ने भी अप्रैल 2025 के सापेक्ष अप्रैल 2026 में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की। मुख्यमंत्री ने अपेक्षाकृत कम प्रदर्शन वाले जोनों को विशेष कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीजेपी के खिलाफ जनहित याचिका, सीजेआई बोले-

मुद्दे को भावनात्मक तरीके से न लें

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को एक याचिकाकर्ता से कहा कि वह 'कॉकरोच जनता पार्टी' के मुद्दे को इतना भावनात्मक तरीके से न लें। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी के मामले में जनहित याचिका दायर करते हुए एक वकील ने अदालत से जल्द सुनवाई की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़–मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। वकील की इस दलील पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, "इसे इतने भावनात्मक तरीके से मत लीजिए।" मुख्य न्यायाधीश ने जनहित याचिका की जल्द सुनवाई की मांग पर कहा कि ऐसी कोई गंभीर तात्कालिकता नहीं है और सर्वोच्च न्यायालय उचित समय पर इसकी नियमानुसार सुनवाई करेगा। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की शतिलचट्टेश वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' एक व्यंग्यात्मक सोशल मीडिया अभियान है, जो सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीजेआई की एक मौखिक टिप्पणी के बाद सामने आया था। सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था। कुछ ही दिनों में लाखों फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है।

अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक, कानूनी कार्रवाई तेज करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। कावेरी नदी को लेकर लंबे समय से जारी विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। सरकारी बयान के मुताबिक, यह बैठक उस समय आयोजित की गई जब कर्नाटक में मेकेदातु परियोजना के लिए भूमि पूजन किए जाने की खबर सामने आई। तमिलनाडु सरकार पहले से ही इस परियोजना का विरोध करती रही है और उसका कहना है कि इससे राज्य के किसानों और सिंचाई व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। बैठक में कावेरी जल विवाद से जुड़े सभी कानूनी पहलुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामलों और हालिया

फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि शीर्ष अदालत पहले तमिलनाडु की पुनर्विचार याचिका खारिज कर चुकी है, जिसमें यह कहा गया था कि इस मामले में तकनीकी और कानूनी निर्णय लेने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के विशेषज्ञों के पास है। मुख्यमंत्री विजय ने अधिकारियों से कहा कि अदालत के हालिया फैसलों को ध्यान में रखते हुए तमिलनाडु के अधिकारों की रक्षा और किसानों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए कानूनी कदमों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। दरअसल, कर्नाटक सरकार कावेरी नदी पर मेकेदातु में एक बैलेंसिंग रिजर्वायर बनाने की योजना पर काम कर रही है। राज्य सरकार का दावा है कि इस परियोजना से बेंगलुरु समेत कई इलाकों की पेयजल जरूरतें पूरी होंगी और बिजली उत्पादन में भी मदद मिलेगी। हालांकि, निचले तटीय राज्य तमिलनाडु का कहना है कि यदि यह परियोजना लागू होती है तो राज्य को मिलने वाले पानी की मात्रा प्रभावित हो सकती है। इससे कृषि क्षेत्र और लाखों किसानों पर असर पड़ने की आशंका है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा-

भारत की अर्थव्यवस्था बाहरी चुनौतियों के बावजूद मजबूत है

नई दिल्ली,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की अर्थव्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ लोग डर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें ऐसा करने की बजाय लोगों में विश्वास जगाना चाहिए। वित्त मंत्री ने पश्चिम एशिया संकट के बीच अपनी उपलब्धियों को कम आंकने वालों पर भी टिप्पणी की। सीतारमण ने मुंबई में सिडबी के एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि बाहरी कारकों से चुनौतियां होने के बावजूद भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था सकारात्मक और लचीली बनी हुई है। सरकार की नीतिगत प्रतिक्रिया को झटकों को सहने के लिए तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य अंतर्निहित विकास गति को बनाए रखना है। वित्त मंत्री ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क

में कटौती का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस कटौती से सरकार को एक लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होगा। सीतारमण ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विलंबित भुगतानों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि एमएसएमई के 8.1 लाख करोड़ रुपये के भुगतान अटके हुए हैं। इससे उनकी कार्यशील पूंजी और वृद्धि प्रभावित हो रही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई को 45 दिन की समय सीमा के भीतर भुगतान करें। यह कदम एमएसएमई को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। समय पर भुगतान से उनकी कार्यशील पूंजी की समस्या हल होगी। इससे छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। सीतारमण ने देश की आर्थिक मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बाहरी चुनौतियों के बावजूद मजबूत है। नीतिगत उपाय आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य देश की विकास दर को बनाए रखना है। यह लोगों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार काफी मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025–26 के लिए देश का सकल जीएसटी (ळैज) कलेक्शन 8.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 22 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। बैंकिंग क्षेत्र का समर्थन भी लगातार मिल रहा है, जिसके तहत रिटेल कर्ज (18.1:), कृषि कर्ज (15.5:) और एमएसएमई क्षेत्र के कर्ज (18.2:) में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा, ट्रैक्टर, यात्री वाहन और दोपहिया वाहनों की बढ़ती बिक्री के साथ–साथ सरकारी बैंकों के घटते एनपीए (छ्च।) जैसी बातें मजबूत घरेलू मांग और आर्थिक स्थिरता का स्पष्ट संकेत दे रही हैं। आर्थिक विकास की इसी गति को औद्योगिक बुनियादी ढांचे का साथ देने के लिए केंद्र सरकार ने 33,660 करोड़ रुपये की भव्य योजना के तहत काम शुरू कर दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि पहले चरण में 50 नए प्लग–एंड–प्ले इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित करने के लिए राज्यों से अगले चार महीनों के भीतर आवेदन मांगे गए हैं। इस योजना के तहत 100 से 1,000 एकड़ (पहाड़ी राज्यों में 25 एकड़) के पार्क विकसित किए जाएंगे, जिसके बुनियादी ढांचे के लिए सरकार प्रति एकड़ एक करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता देगी।

यह मोदी सरकार की रोजाना की 'डकैती' - मल्लिकार्जुन खरगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में फिर से वृद्धि होने के बाद सोमवार को आरोप लगाया कि यह मोदी सरकार द्वारा रोजाना की जाने वाली डकैती है और इसका खामियाजा आम लोग भुगत रहे हैं।

कांग्रेस प्रमुख ने सवाल किया कि आखिर इस डकैती का फायदा किसे हो रहा है? पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर वृद्धि की गयी। पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल के दाम 2.71 रुपये प्रति लीटर बढ़ाये गये हैं। पिछले दो सप्ताह से भी कम समय में यह चौथी बार है जब कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपये प्रति लीटर बढ़ाकर 102.12 रुपये प्रति

लीटर कर दी गई है, जो पहले 99.51 रुपये प्रति लीटर थी। डीजल के दाम 2.71 रुपये बढ़ाकर 95.20 रुपये प्रति लीटर कर दिए गए हैं, जो पहले 92. 49 रुपये प्रति लीटर थे। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, ईंधन लूट का रोजाना होने वाला आक्रमण अभी खत्म नहीं हुआ है।10 दिनों में चौथी बार बढ़ोतरी की है। पेट्रोल की कीमत में 7. 35 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम में डीजल– 7. 53 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने आम लोगों की बचत को जलाने के लिए पेट्रोल छिड़का है। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है, ष्वर्ष 2004 से 2014 के बीच, संप्रग सरकार के दौरान, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में 175.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मोदी सरकार के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें एक प्रतिशत भी नहीं बढ़ीं। इसके बावजूद मोदी सरकार. पेट्रोल की कीमतें 2014 में 71.41 प्रति लीटर से बढ़कर 2026 में 102. 12 प्रति लीटर हो गईं, 43.01 प्रतिशत की वृद्धि हुई। डीजल की कीमतें 56.71 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गईं यानी 67. 87 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों में 43 लाख करोड़ रुपये लूट चुकी है।

खरगे ने कहा, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चौथी बार बढ़ोतरी के साथ आज एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी के शेयरों में क्रमशरू 5.8 प्रतिशत, 4.44 प्रतिशत और 3.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जनता से ज्यादा मुनाफा कमाना भाजपा का डीएनए है।

आवारा कुत्तों पर टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि शीर्ष अदालत ने आवारा कुत्तों को मारने की खुली छूट दे दी है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में सुनवाई का अनुरोध करने वाले वकील से कहा, क्या मुख्यमंत्री के बयान मात्र से हमें अपना आदेश बदलना होगा? वकील ने बताया कि आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के 19 मई के आदेश के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर एक्स पर पोस्ट किया था कि शीर्ष अदालत ने आवारा कुत्तों को मारने की खुली छूट दे दी है। पीठ ने कहा, आप पंजाब हाई कोर्ट जाइए। हम आपका अनुरोध स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

कवियत्री मिली श्रीवास्तव के पिता वरिष्ठ कवि, लेखक, विचारक राघवेन्द्र बहादुर के निधन पर शोक सभा आयोजित

प्रयागराज। कवयित्री मिली श्रीवास्तव के पिता वरिष्ठ कवि, लेखक, विचारक श्री राघवेन्द्र बहादुर का दिनाँक 20 मई को निधन हो गया था अतः शहर समता विचार मंच द्वारा डॉ प्रदीप चित्रांशी की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित की गयी।

इस शोक सभा मे शहर समता समाचार पत्र के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राघवेन्द्र बहादुर सिर्फ एक कवि, लेखक और विचारक ही नहीं बल्कि एक सभाजसेवी एवं होमिओपैथिक डाक्टर थें। आपकी दो पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी है। आप एक नेक इंसान थे। आपका असमय चले जान् साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

इस अवसर पर डॉ प्रदीप चित्रांशी ने कहा कि वह एक अच्छे साहित्यकार एवं एक अच्छे इंसान भी थे। अब तक भले ही उनकी दो पुस्तकें प्रकाशित हुई है लेकिन उनके द्वारा अभी तक 7 हजार से अधिक रचनाओं का सृजन कर चुके था।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करे और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।इस अवसर पर रचना सक्सेना ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करतें हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि ईश्वर उन्हे अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इस शोक सभा में शहर के अनेक कवि कवयित्रियों नें भी उपस्थित होकर अपनी संवेदना व्यक्त की।

मृतक की शिकायत पर रोका निर्माण, कोर्ट ने मांगा हलफनामा तो पलट गए एसडीएम

प्रयागराज। तीन साल पहले मर चुके व्यक्ति की शिकायत पर जौनपुर के एसडीएम ने याची का निर्माण कार्य रोक दिया। इससे हैरान इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हलफनामा मांगा तो एसडीएम अपनी कार्यवाही से पलट गए। तीन साल पहले मर चुके व्यक्ति की शिकायत पर जौनपुर के एसडीएम ने याची का निर्माण कार्य रोक दिया। इससे हैरान इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हलफनामा मांगा तो एसडीएम अपनी कार्यवाही से पलट गए। उन्होंने कहा कि वह

याची को निर्माण से रोक नहीं रहे। इस पर कोर्ट ने याचिका निस्तारित कर दी।

यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने जौनपुर निवासी अंकित जायसवाल व अन्य की याचिका पर दिया। इससे पहले मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अजित कुमार की अध्यक्षता वाली खंडपीठ कर रही थी। अधिवक्ता ने दलील दी कि याची ने विक्रय विलेख के जरिये शाहगंज तहसील के ग्राम भाड़ी गांव में जमीन खरीदी थी। उसी पर वह निर्माण करा रहा था। वहीं, एसडीएम ने उस रामचंद्र यादव नाम के व्यक्ति की शिकायत पर निर्माण कार्य रोकने के आदेश दिया है जिसका तीन साल पहले निधन हो चुका है।

इस पर कोर्ट ने एडीएम से व्यक्तिगत हलफनामा तलब कर पूछा था कि क्या मृतक खुद उनके पास शिकायत करने आया था? कोर्ट ने यह चेतावनी भी दी थी कि हलफनामा नहीं देने पर एसडीएम को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर होना पड़ेगा। कोर्ट के तल्ख तेवर देख एसडीएम ने अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल किया। साथ ही बिना जांच किए अननफानन मृतक की शिकायत पर की गई कार्यवाही से पैर पीछे खींच लिए। कोर्ट से कहा कि वे याची को निर्माण कार्य करने से रोक नहीं रहे हैं।

अब अंग्रेजी में भी होगा टीजीटी-पीजीटी भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम, शिक्षक भर्ती में बड़ा बदलाव

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग आगामी शिक्षक भर्तियों में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी), प्रवक्ता संवर्ग (पीजीटी), प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक संबद्ध प्राइमरी पदों की नई भर्ती परीक्षा में इस बार पाठ्यक्रम हिंदी के साथ अंग्रेजी में भी उपलब्ध कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग आगामी शिक्षक भर्तियों में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी), प्रवक्ता संवर्ग (पीजीटी), प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक संबद्ध प्राइमरी पदों की नई भर्ती परीक्षा में इस बार पाठ्यक्रम हिंदी के साथ अंग्रेजी में भी उपलब्ध कराया जाएगा। अब तक आयोग की वेबसाइट पर केवल हिंदी माध्यम में ही पाठ्यक्रम अपलोड होता था। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि हाल ही में आयोजित टीजीटी और पीजीटी परीक्षाओं के दौरान यह बात सामने आई कि प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होते हैं, लेकिन पाठ्यक्रम केवल हिंदी में उपलब्ध है। इससे सीबीएसई, यूपी बोर्ड अंग्रेजी माध्यम और आईसीएसई पृष्ठभूमि के अभ्यर्थियों को कठिनाई होती थी। आगामी भर्तियों को ध्यान में रखते हुए आयोग दोनों भाषाओं में पाठ्यक्रम तैयार कराने की दिशा में काम कर रहा है। जल्द ही इसकी रूपरेखा तैयार कर ली जाएगी। द्विभाषीय पाठ्यक्रम से न केवल अभ्यर्थियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञों को भी विषयवस्तु समझने में आसानी होगी। शिक्षा निदेशालय ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में रिक्त 23,213 पदों की समेकित सूचना आयोग को भेज दी है। इनमें प्रधानाचार्य के 1502, प्रधानाध्यापक के 1003, पीजीटी के 2705, टीजीटी के 16,114 और सहायक अध्यापक के 1889 पद शामिल हैं। नई भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना है। शिक्षा निदेशालय ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में रिक्त 23,213 पदों की समेकित सूचना आयोग को भेज दी है। इनमें प्रधानाचार्य के 1502, प्रधानाध्यापक के 1003, पीजीटी के 2705, टीजीटी के 16,114 और सहायक अध्यापक के 1889 पद शामिल हैं। नई भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना है।

टिकट चेकिंग कर एक दिन में वसूले 48.50 लाख, एक दिन में की गई सबसे अधिक कमाई

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने 23 मई को सघन चेकिंग अभियान चलाकर एक दिन में 48.50 लाख रुपये की रिकॉर्ड कमाई की है। यह अब तक की एक दिन की सर्वाधिक कमाई है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने 23 मई को सघन चेकिंग अभियान चलाकर एक दिन में 48.50 लाख रुपये की रिकॉर्ड कमाई की है। यह अब तक की एक दिन की सर्वाधिक कमाई है। पिछले साल की इसी तारीख को हुई 26 लाख रुपये की आय के मुकाबले लगभग दोगुनी है। यही नहीं, मंडल ने अपने ही पुराने रिकॉर्ड (45 लाख रुपये) को भी ध्वस्त कर दिया है। स्क्वाड स्टाफ ने अकेले 26 लाख रुपये की वसूली की। इसके अलावा अमेनिटी स्टाफ ने 16 लाख रुपये और स्टेशनरी स्टाफ ने 6.50 लाख रुपये का राजस्व जुटाया।

अधिकारियों ने बताया कि चेकिंग स्टाफ का मनोबल बढ़ाने के लिए रेलवे प्रशासन ने हाल ही में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले पांच स्क्वाड और पांच अमेनिटी स्टाफ कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया था। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी आगे भी सम्मानित होंगे। बगैर टिकट यात्रा करने वालों पर लगाम लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

स्टेशनों पर खुलेंगे नए स्टाल और लगेंगी वाटर वेंडिंग मशीन, ई-नीलामी एक जून से शुरू होगी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अंतर्गत स्टेशनों पर यात्रियों को खानपान और पानी की बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अंतर्गत स्टेशनों पर यात्रियों को खानपान और पानी की बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय ने प्रयागराज मंडल के अलग-अलग स्टेशनों पर बहुउद्देशीय स्टाल, खानपान स्टाल और वाटर वेंडिंग मशीन के अनुबंध के लिए ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित की हैं। इसकी प्रक्रिया आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से होगी। स्टेशनों पर इन इकाइयों को पांच साल के लिए आवंटित किया जाएगा।

शंकराचार्य बोले: गाय के माध्यम से सनातन धर्म की नींव पर किया जा रहा प्रहार, तेजी से हो रहा गोवध

प्रयागराज। उत्तराम्नाय ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने 81 दिवसीय गविष्ठी यात्रा के 23वें दिन प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र में पहुंचे। यहां पर उन्होंने सभी पांच विधानसभाओं में गौरक्षा का संकल्प लिया। उत्तराम्नाय ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने 81 दिवसीय गविष्ठी यात्रा के 23वें दिन प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र में पहुंचे। यहां पर उन्होंने सभी पांच विधानसभाओं में गौरक्षा का संकल्प लिया। जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया गया। शंकराचार्य ने कहा कि गाय भारतीय सभ्यता की जड़ है, जड़ काट दी तो पेड़ समाप्त हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि गाय के माध्यम से सनातन धर्म के मूल पर प्रहार किया जा रहा है। गौ हत्या केवल पशु-वध नहीं है, यह इस सभ्यता की नींव पर प्रहार है। देवताओं की शक्ति का स्रोत विष्णु हैं। इस संसार में विष्णु की शक्ति का आधार सनातन धर्म है और सनातन धर्म के तीन स्तंभ हैं- ब्रह्म (वेद), गौ (गाय) और विप्र (ब्राह्मण)। इन तीनों को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। सनातन ढहा तो देवता कमजोर होंगे। देवता कमजोर हुए तो विष्णु कमजोर होंगे।

यह वही तीन-सूत्री षड्यंत्र है जो आज हमारे विरुद्ध चल रहा है। वेदों को हाशिए पर धकेला जा रहा है। ब्राह्मण को बदनाम किया जा रहा है। और गाय को काटा जा रहा है। यह संयोग नहीं, यह सोचा-समझा, नियोजित आक्रमण है जिसे भागवत ने हजारों वर्ष पहले ही उजागर कर दिया था। आज हमें इसे समझना होगा।

आजादी के समय 80 करोड़ गायें, आज मात्र 2-3 करोड़ शुद्ध देसी गायें बची हैं

शंकराचार्य ने कहा कि आजादी के समय इस देश में लगभग 80 करोड़ गायें थीं और केवल 20 करोड़ मनुष्य। आज 150 करोड़ मनुष्य हैं और मुश्किल से 17 करोड़ पशु, जिनमें अधिकतर विदेशी नस्ल (गवै) या संकरित हैं। शुद्ध देसी गाय, अपनी विशिष्ट सास्ना और ककुद् (कूबड़) के साथ अधिक से अधिक 2-3 करोड़ बची होंगी। और इनमें से रोज 80,000 काटी जा रही हैं। हिसाब लगाइए। इस दर पर एक साल में हर शुद्ध देसी गाय समाप्त हो जाएगी। अगली पीढ़ी चित्र में गाय देखेगी। हम पहले से ही उस अवस्था में हैं जहां घरों में गाय नहीं रख पाते तो हम छोटी गाय की मूर्तियां दे रहे हैं पूजा के लिए। आज मूर्ति, कल फोटो, परसों वो भी धुंधली हो जाएगी।

जो पार्टी गाय को मां कहेगी, हम उसी के साथ: अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज। ज्योर्तिमठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार को गविष्ठि यात्रा के दौरान शहर पहुंचे। उन्होंने गौ रक्षा, सनातन धर्म और राजनीति के मसले पर केंद्र और राज्य सरकारों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश की बहुसंख्यक जनता गाय को माता मानती है। सरकारें अब भी उसे पशु की श्रेणी में रख रही हैं। शंकराचार्य ने कहा कि यात्रा के दौरान जहां-जहां वे गए, लोगों ने गौ माता की रक्षा को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कही। भाजपा को संत समाज ने इसलिए समर्थन दिया था, क्योंकि पार्टी ने हिंदू हितों और गौ रक्षा की बात कही थी। सत्ता में आने के बाद उस दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। तीन-तीन कार्यकाल बीतने के बाद भी गौ हत्या पर प्रभावी रोक नहीं लगी। विभिन्न राज्यों में जारी नोटिफिकेशन बूढ़ी या बीमार गायों के वध की छूट देकर समाज में भ्रम पैदा कर रहे हैं। गविष्ठि यात्रा के उद्देश्य पर उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक जागरण का अभियान है। सनातन परंपरा में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है। इसे पशु मानना भारतीय संस्कृति के मूल विचार के विपरीत है। यदि कोई राजनीतिक दल गाय को माता कहकर उसके संरक्षण की स्पष्ट नीति लेकर आएगा तो गौभक्त उसी का समर्थन करेंगे। उनकी यात्रा को विभिन्न समुदायों से समर्थन मिल रहा है। कई मुस्लिम संगठनों ने भी गौ माता को "राष्ट्रमाता" घोषित करने की मांग का समर्थन किया है। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश हिंदू धर्म परिषद के विधिवत गठन की घोषणा भी की। इसका उद्देश्य सनातन नेतृत्व, पारंपरिक संस्थाओं का प्रतिनिधित्व और सांविधानिक अधिकारों की रक्षा का रहेगा।

तनाव दे रही गर्मी, नींद उड़ी, पेट की समस्याएं बढ़ीं

प्रयागराज। भीषण गर्मी और लू की वजह से लोगों को पेट संबंधी समस्याएं घेर रही हैं। पेट दर्द, उल्टी-दस्त, चक्कर आने के मामले बढ़े हैं। बिजली कटौती की वजह से नींद न आने और बेचैनी की समस्याएं लेकर लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। इन सब समस्याओं के मिले-जुले असर से लोगों में तनाव बढ़ रहा है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में गर्मी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं पर किए गए अध्ययन में डिहाइड्रेशन और लू को इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस मौसम में केवल गर्मी ही नहीं, बल्कि वायरल, बैक्टीरियल और प्रोटोजोआ संक्रमण भी पेट संबंधी समस्याओं को बढ़ा देते हैं। दूषित पानी और खराब भोजन पेट दर्द और उल्टी-दस्त का कारण बनता है। अधिक तापमान में बाहर रखा भोजन जल्दी खराब हो जाता है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

पानी की कमी से थकान और तनाव

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ.पुष्पांक वत्स के अनुसार, अत्यधिक गर्मी में शरीर का तापमान सामान्य से अधिक बना रहता है। इससे निंद्रा चक्र प्रभावित होता है। गर्म और उमस भरे वातावरण में शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता। इस वजह से नींद कम होना, बेचैनी, चिड़चिड़ापन और तनाव बढ़ जाता है। शरीर में पानी की कमी थकान और तनाव को बढ़ाने का कारण बनती है।

एमएलएन मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सचिन जैन के मुताबिक, धूप से सीधे छांव में जाकर बहुत ठंडा पानी पीना या तुरंत एसी में जाना शरीर के लिए झटका लगने जैसा हो सकता है। बाहर 40-45 डिग्री तापमान से सीधे एसी लगे 16-20 डिग्री वाले कमरे में जाने पर शरीर के तापमान का संतुलन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में लगातार छींक आना, जुकाम और कमजोरी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। उन्होंने सलाह दी है कि धूप से आने के तुरंत बाद फ्रिज का ठंडा या बर्फ वाला पानी नहीं पीना चाहिए।

सड़कों से निकली आंच, हवा ने उगलीं लपटें

प्रयागराज। संगमनगरी भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। रविवार को भी प्रयागराज प्रदेश के सबसे गर्म जिलों में दूसरे स्थान पर दर्ज किया गया। बांदा पहले पर बना हुआ है। शहर में सुबह नौ बजे से ही गर्म हवाएं चलने लगीं। दोपहर होते-होते सड़कों से आंच निकलने लगी। हवाएं लपट सरीखी तीखी हो गईं। इससे आवाजाही कम हो गई। बाजारों में सन्नाटा पसर गया। कोठापार्चा, कटरा, जैसे प्रमुख बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में लोग कम दिखे। मौसम विभाग ने नौतपा के पहले दिन

लू से बचाव के लिए बरतें सावधानी

- खाली पेट बाहर न जाएं, पेय पदार्थ का सेवन ज्यादा करें
- काला या गहरे रंग के कपड़े पहनने से बचें
- मोबाइल फोन, बाइक या कार धूप में खड़ी हो तो तुरंत इस्तेमाल से बचें।
- चक्कर, तेज सिरदर्द या कमजोरी महसूस होते ही छांव में जाकर आराम करें।
- बाहर से छांव या घर आएं तो तुरंत पानी पीने और स्नान करने से बचें।
- उल्टी-दस्त या अन्य किसी दिक्कत के लिए चिकित्सक से परामर्श लें।

सोमवार को भीषण तपिश और लू का रेड अलर्ट जारी किया है। गर्म हवाएं परेशानी का कारण बन सकती हैं। प्रयागराज मंडल के कौशाम्बी और प्रतापगढ़ के साथ आसपास के जिलों में तापमान बढ़ते क्रम में होगा। प्रयागराज में पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम वैज्ञानिक इविवि के डॉ.शैलेंद्र राय के अनुसार 25-26 मई तक प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों में लू चलेगी और भीषण गर्मी रहेगी। 27-28 मई को कुछ इलाकों में हल्के बादल या तेज हवाओं के कारण तापमान में मामूली गिरावट संभव है। सीएमपी डिग्री कॉलेज के भूगोल विभाग कि असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.उत्तरा सिंह के अनुसार, बढ़ता कंक्रीटीकरण, हरित क्षेत्र में कमी और पर्यावरणीय बदलाव शहरों में अर्बन हीट आइलैंड जैसी स्थिति पैदा कर रहे हैं। इससे दिन के साथ रात का तापमान भी सामान्य से अधिक बना रहता है।

कालिंदीपुरम में 23 घंटे नहीं रही बिजली, आक्रोशित लोगों का उपकेंद्र पर हंगामा

प्रयागराज। कालिंदीपुरम के बरसाना सेक्टर में शनिवार रात करीब 10 बजे ट्रांसफॉर्मर जलने से पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। रविवार को भी दिनभर बिजली आपूर्ति ठप रही। इस पर आक्रोशित लोगों ने बिजली उपकेंद्र का घेराव कर हंगामा किया। विरोध बढ़ता देख विभाग ने आनन-फानन मरम्मत शुरू कराई। करीब 23 घंटे बाद आपूर्ति बहाल हो सकी।

एक तो शनिवार रात में लोग ठीक से सो नहीं सके। रविवार को छुट्टी वाले दिन सुबह से ही पानी का संकट खड़ा हो गया। टंकियों में भरा पानी खत्म होते ही इधर-उधर भटकने लगे। पीने के लिए कैन मंगवाकर किसी तरह काम चलाया। दोपहर बाद लोगों का धैर्य टूट गया। बड़ी संख्या में लोग बिजली उपकेंद्र पहुंच गए। घेराव करते हुए हंगामा किया। बवाल की आशंका पर वरिष्ठ अफसर मौके पर पहुंचे। तत्काल ट्रांसफार्मर बदलवाने और अन्य मरम्मत कार्य शुरू कराने के आश्वासन पर लोग माने। एसडीओ शैलेंद्र सिंह के मुताबिक, रविवार रात नौ बजे आपूर्ति बहाल कर दी गई।

इसी तरह झलवा क्षेत्र के कई इलाकों में भी शनिवार रातभर बिजली कटौती जारी रही। कहीं फॉल्ट तो कहीं केबल में आग लगने से संकट बना रहा। कुछ जगह बंच केबल लगाने के चलते बिजली आपूर्ति बाधित रही। कहार गल्ला फीडर में दोपहर 12 से दो बजे तक मरम्मत कार्य के कारण बिजली कटी रही।

शहर हो या गांव छिन गया लोगों का चैन, दिनचर्या हो रही प्रभावित

कटौती, ट्रिपिंग, लो वोल्टेज से बेहाल रहा शहर

प्रयागराज। भीषण गर्मी के बीच रविवार को भी बिजली कटौती रात-दिन रुलाती रही। दारागंज, कच्ची सड़क, पक्की सड़क, बक्शी बांध इलाके में

रविवार दोपहर तीन बजे से देर रात तक एक-एक, दो-दो घंटे के अंतराल पर बिजली आती-जाती रही।

सलोरी, गोविंदपुर और तेलियरगंज समेत कई इलाकों में दिनभर लो वोल्टेज की समस्या बनी रही। गढ़ी सराय, बैगन टोला, मिनाजपुर, रानीगंज और कोल्हान टोला में शनिवार रात में तीन से पांच घंटे की कटौती हुई। यहां रविवार सुबह 11 से रात आठ बजे तक समस्या बनी रही। बैरहना, मलाकराज और रामबाग इलाके में शनिवार रात कई बार 20-20 मिनट और आधे-आधे घंटे की कटौती होती रही। दिन में भी कई मोहल्लों में बिजली की आंख मिचौली जारी रही।

गाड़ीवान टोला, खुल्दाबाद, घासकटी, रोशनबाग और बक्शी बाजार में शनिवार रात आठ से 11 बजे तक बिजली बाधित रही। दरियाबाद के गुजराती मोहल्ला में शनिवार रात और रविवार दिनभर कई बार आधे से एक घंटे की कटौती हुई। अतरसुइया, मीरापुर, कल्याणी देवी, नई बस्ती कीडगंज क्षेत्र में भी रविवार को तीन से चार बार बिजली की आई गई।

करेली, मुठ्ठीगंज, गऊघाट और तिलक रोड क्षेत्र में रविवार सुबह बिजली बाधित रहने से मोटर नहीं चल सकीं। इससे पानी का संकट खड़ा हो गया। छुट्टी वाले दिन लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित रहे।

ग्राम पंचायत कर्मियों के खिलाफ वसूली का आदेश देने का अधिकार डीएम को नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि ग्राम पंचायत के कर्मचारियों के खिलाफ वसूली का आदेश जारी करने का अधिकार जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) को है, डीएम को नहीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि ग्राम पंचायत के कर्मचारियों के खिलाफ वसूली का आदेश जारी करने का अधिकार जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) को है, डीएम को नहीं। न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकल पीठ ने संभल के डीएम की ओर से ग्राम पंचायत सचिव अजय कुमार के खिलाफ जारी अधिभार वसूली आदेश को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है।

डीएम ने विकास कार्यों में लापरवाही से हुए वित्तीय नुकसान की भरपाई के लिए अजय के खिलाफ अधिभार वसूली का आदेश जारी किया था। इसके खिलाफ सचिव ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याची के अधिवक्ता किशन गौतम ने दलील दी कि डीएम का आदेश क्षेत्राधिकार से बाहर है। उन्होंने अजय शंकर पासी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में समन्वय पीठ के फैसले का हवाला भी दिया। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि डीएम को ग्राम पंचायत के सचिव या किसी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ अधिभार का आदेश पारित करने का अधिकार ही नहीं है। पंचायत राज नियमों के नियमों के मुताबिक सचिव या कर्मचारियों पर वित्तीय नुकसान की कार्रवाई की शक्ति केवल डीपीआरओ के पास है। डीएम केवल ग्राम पंचायत के प्रधान, उप-प्रधान और निर्वाचित सदस्यों के खिलाफ ही अधिभार आदेश जारी कर सकते हैं। कोर्ट ने विभाग को स्वतंत्रता दी है कि वह नियमानुसार डीपीआरओ के जरिये याची के खिलाफ नए सिरे से दोबारा कार्रवाई शुरू कर सकता है।

मास्टरमाइंड आसिफ दुर्रानी को रिमांड पर लेगी पुलिस, पिस्तौल का पता लगाएगी पुलिस

प्रयागराज। करेली के बिस्मिल्लाह चौराहे के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान हत्याकांड में पुलिस ने फिर कार्रवाई तेज कर दी है। मास्टरमाइंड आसिफ दुर्रानी को करेली पुलिस जल्द पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) पर लेगी। करेली के बिस्मिल्लाह चौराहे के पास प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान हत्याकांड में पुलिस ने फिर कार्रवाई तेज कर दी है। मास्टरमाइंड आसिफ दुर्रानी को करेली पुलिस जल्द पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) पर लेगी। ताकि, उससे हत्या से जुड़े खुलासे के साथ ही वारदात में इस्तेमाल पिस्टल की बरामदगी हो सके। पुलिस ने जिला न्यायालय में अर्जी दाखिल कर दी है। अगली सुनवाई सोमवार को होगी। आठ अप्रैल 2026 को मोहम्मद इरफान की हत्या के बाद से पुलिस और एसओजी आसिफ दुर्रानी की तलाश में थी। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। 20 मई को आसिफ दुर्रानी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया, जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने रिमांड मिलने के बाद कई राज खुल सकते हैं।

पुराने आवंटी नई योजनाओं में हुए समायोजित तो चुकानी होगी पूरी कीमत

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की पुरानी योजनाओं के जिन आवंटियों को भूखंड पर कब्जा प्राप्त नहीं हो सका, वे नई योजनाओं में समायोजन के लिए आवेदन कर सकते हैं लेकिन उन्हें संपत्ति का वर्तमान मूल्य अदा करना होगा।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की पुरानी योजनाओं के जिन आवंटियों को भूखंड पर कब्जा प्राप्त नहीं हो सका, वे नई योजनाओं में समायोजन के लिए आवेदन कर सकते हैं लेकिन उन्हें संपत्ति का वर्तमान मूल्य अदा करना होगा।

पीडीए की पुरानी योजनाओं में आवंटन के बावजूद प्लॉट या भवन पर कब्जा न मिल पाने के कारण भटक रहे लोगों को राहत देते हुए पीडीए ने दो विकल्प दिए हैं। आवंटी चाहें तो पूर्व में जमा की गई धनराशि छह फीसदी ब्याज सहित वापसी के लिए आवेदन कर सकते हैं या फिर अपनी धनराशि का नई योजनाओं में समायोजन करा सकता है।

उदाहरण के तौर पर पीडीए की किसी पुरानी योजना में प्लॉट का मूल्य 30 लाख था और वर्तमान में ब्याज सहित 35 लाख रुपये वापस होंगे। वहीं, आंवटी किसी नई योजना में इस धनराशि का समायोजन कराना चाहता है और नई योजना में संपत्ति का वर्तमान मूल्य 40 लाख रुपये है तो समायोजित राशि के अतिरिक्त पांच लाख रुपये जमा करने होंगे।

हालांकि, ज्यादातर पुराने आवटियों ने पूर्व में जमा धनराशि की वापसी के लिए आवेदन किए हैं। पीडीए ने शनिवार को एक आवंटी का ब्याज सहित 73.65 लाख रुपये का भुगतान किया है। इसमें ब्याज की धनराशि 10.85 लाख रुपये शामिल है। पीडीए के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने बताया कि पुराने आवंटियों के नई योजनाओं में समायोजन पर उन्हें वरीयता दी जाएगी लेकिन प्लॉट या फ्लैट का वर्तमान मूल्य अदा करना होगा।

संक्षिप्त

यूपी देश में सबसे अधिक विद्युत आपूर्ति वाला राज्य- शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश ने बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए शनिवार रात्रि 10रू39 बजे 31,804 मेगावाट की रिकॉर्ड पीक डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश के किसी भी राज्य द्वारा अब तक की गई सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति है।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने इस उपलब्धि पर कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य हर घर, हर गांव और हर शहर तक निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाना है, जिस दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। रोस्टर से आगे बढ़कर प्रदेश में व्यापक स्तर पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति का प्रयास किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में 22 से 22.5 घंटे तक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई, जिससे आमजन, किसान, व्यापारी और उद्योगों को बड़ी राहत मिली है। श्री शर्मा ने कहा कि कुछ लोग प्रदेश की बिजली व्यवस्था को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास करते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि उत्तर प्रदेश आज देश में सर्वाधिक बिजली उपलब्ध कराने वाला राज्य बन चुका है। तकनीकी, प्राकृतिक अथवा मानवजनित कारणों से स्थानिक व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन उन्हें दूर करने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी दिन–रात पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं।उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील कर कहा कि विद्युतकर्मियों का मनोबल बढ़ाएं, क्योंकि भीषण गर्मी कठिन परिस्थितियों में वे जनता को बेहतर बिजली सुविधा उपलब्ध कराने में जुटे हुए हैं।

योगी ने स्टूडेंट्स को लिखी चिट्ठी, माता-पिता से की ऐसी अपील कि खुश हो जाएंगे बच्चे

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गर्मी की छुट्टियों के अवसर पर प्रदेश के बच्चों के नाम सोमवार को एक पत्र लिखते हुए बच्चों व अभिभावकों से अपील की कि वे छुट्टियों का उपयोग आनंद लेने, नयी सीख और संस्कारों को जानने में करें। योगी आदित्यनाथ ने यह पत्र सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया। पत्र में उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए लिखा, मेरे प्यारे बच्चों, गर्मी की छुट्टियां आप सभी के लिए आनंद, उत्साह और नए अनुभवों का समय लेकर आती हैं। किशोर एवं युवा इन छुट्टियों में नयी भाषा या नया कौशल सीख सकते हैं। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को इन छुट्टियों में ननिहाल और ददिहाल जरूर ले जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को परिवार के साथ समय बिताने दें, ताकि वे अपने संस्कारों और परंपराओं को निकट से जान सकें। साथ ही, उन्होंने ग्रीष्मावकाश में बच्चों को प्रकृति से जोड़ने का भी प्रयास करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा, मेरी आप सभी से अपील है कि इन छुट्टियों को प्लास्टिक मुक्त बनाने का भी संकल्प लें। छोटे–छोटे प्रयास ही भविष्य में बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के भुलभुला खेड़ा गांव में रविवार देर रात एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पति शव को लेकर मलिहाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक मृतका की शादी एक साल पहले हुई थी। पति और पत्नी दोनों में अक्सर विवाद होता था। मृतका की पहचान 22 वर्षीय रूपांशी यादव पत्नी सुधीर यादव के रूप में हुई है। उसका शव रविवार रात करीब 1.25 बजे सीएचसी मलिहाबाद लाया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू की। इस दौरान, मृतका के मायके पक्ष के लगभग 30 से 40 लोग अस्पताल पहुंच गए और घटना को लेकर आक्रोश व्यक्त किया। पुलिस ने हस्तक्षेप कर लोगों को शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में रखा। पुलिस ने पंचायतनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रूपांशी की शादी करीब एक वर्ष पहले हुई थी और पति–पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्राप्त तहरीर के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

सड़क निर्माण में देरी पर भड़के लोग पीडब्लयूडी के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के इस्माइल गंज द्वितीय वार्ड में सड़क निर्माण में लगातार हो रही देरी को लेकर सोमवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। पूर्व पार्षद रुद्र प्रताप सिंह के साथ में लोगों ने ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्लयूडी) के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। लोगों ने पीडब्लयूडी मुर्दाबाद और भ्रष्टाचारी होश में आओ का नारा लगाते हुए जमकर नारेबाजी की है। लोगों ने बताया कि एक महीने पहले स्थानीय विधायक ओपी श्रीवास्तव ने नारियल फोड़कर विधिवत पूजा की थी, लेकिन काम अभी तक नहीं शुरू हुआ। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर सड़क निर्माण कार्य जल्दी शुरु नहीं हुआ तो प्रदर्शन और तेज करेंगे। प्रदर्शनकारी किशोरी लाल चौराहा से चौहान प्लाजा तथा फैजाबाद रोड से रजत डिग्री कॉलेज तक सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग कर रहे थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नवंबर 2025 में दोनों सड़कों के निर्माण के लिए करीब 32–32 लाख रुपए के ई–टेंडर जारी किए गए थे, लेकिन छह महीने बीतने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ। क्षेत्रवासियों ने बताया कि ये दोनों सड़कें अंदरूनी लगभग दो दर्जन मोहल्लों को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग हैं, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन रहता है। सड़क पर जगह–जगह बड़े गड्ढे होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में कल्याणी बिहार विकास समिति के अध्यक्ष पप्पू सिंह, करमजीत पाठक, मोहित मिश्रा, हरिशंकर राजभर, राजकुमार निगम, अरुण सिंह, पप्पू तिवारी, पंकज सोनी, श्रीमती पुष्पा सिंह, भालचंद्र चौहान, सुरेंद्र वर्मा, सुभाष, दिनेश कुमार मिश्रा, गयादीन समेत करीब 50 स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन वॉलीबाल प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

मेजा के क्षेत्रीय वॉलीबाल स्टेडियम में इक्कीस दिन तक कुशल व अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा सुबह-शाम प्रशिक्षण प्रदान कर खिलाड़ियों को किया जाएगा प्रशिक्षित

प्रयागराज। स्थानीय मेजा तहसील के क्षेत्रीय वॉलीबाल स्टेडियम में फ्रेंड्स क्लब मेजा के सहयोग से डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए),प्रयागराज के तत्वावधान में निरूशुल्क 21 दिवसीय ष ग्रीष्मकालीन वॉलीबाल प्रशिक्षण शिविर ष का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अधिवक्ता उच्च न्यायालय व प्रदेश सहसंयोजक विधि एवं कानून विभाग भाजपा उत्तर प्रदेश एवं प्रयागराज जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सुशील मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात फीता काटकर प्रशिक्षण शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रुप में उच्च न्यायालय के शासकीय अधिवक्ता वरिष्ठ समाजसेवी आनंद चौबे उपस्थित रहें।

एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष के. बी.एल.श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का बैच लगाकर स्वागत किया। प्रशिक्षण शिविर में 16 वर्ष से कम आयु के बालकों को एन. आई.एस. कोच / प्रशिक्षकों द्वारा सुबह–शाम प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। मुख्य अतिथि ने

प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि – आज के ये नन्हे–मुन्हे छोटे बच्चें कल के भविष्य है और उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की बधाई देते हुए आगे कहा कि बच्चें इन कुशल प्रशिक्षकों की देख–रेख में खेल के गुण व बारीकियों को सीखकर अपने जिला व राज्य का नाम रोशन करेंगे। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने प्रशिक्षण शिविर से सम्बंधित आख्या प्रस्तुत करने के पश्चात मा.मुख्य अतिथि महोदय का बुकें एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनन्दन करते हुए आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन की ओर से प्रभाकर चौबे ने मुख्य अतिथि व अन्य आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से टी.एन.सिंह, सोरांव यूथ क्लब ग्राउंड के संस्थापक सदस्य रमेश चंद्र द्विवेदी (डीएम गुरु महात्मा जी), राहुल द्विवेदी, रामस्नेही शुक्ला, मुकेश शुक्ला, उमाकांत तिवारी, शिवा द्विवेदी, वाई.एन.सिंह, कुशलकांत मिश्रा, अंकित विश्वकर्मा, अमित शुक्ला, विवेक शुक्ला, मौसम कुशवाहा व दादा शुक्ला आदि खिलाड़ी व ग्रामवासी उपस्थित रहें।

प्रदेशवासियों की सुरक्षा और जनसमस्याओं के लिए सरकार प्रतिबद्ध-योगी

जनता दर्शन,मुख्यमंत्री ने सुनी हर फरियादी की बात, बोले-हम कराएंगे समस्याओं का समाधान

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में फरियादियों से मिलकर सभी की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा, सम्मान पर सरकार का पूरा जोर है। सरकार जनसमस्याओं के उचित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तय समयसीमा के भीतर समस्याओं के निस्तारण का भी निर्देश दिया। जनता दर्शन में शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कुछ मामले आए। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि शिक्षा व स्वास्थ्य पर सरकार का विशेष जोर है। प्रदेश का हर व्यक्ति शिक्षित हो और हर जरूरतमंद को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, इसके लिए सरकार कृतसंकल्पित है। इन विभागों से जुड़े सभी मामले संवेदनशीलता से हल किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान हमारी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देशित किया कि पूरी संवेदनशीलता से सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सभी को न्याय मिले। हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। श्जनता दर्शनश में आईं महिलाओं की समस्याएं सुनीं, उनका हालचाल जाना, फिर उनसे संवाद भी किया। उन्होंने महिलाओं से कहा कि गर्मी बहुत पड़ रही

है। ऐसे में अपना और परिवार के बुजुर्गों, बच्चों, पुरुषों का ध्यान रखें। इस समय अकारण बाहर निकलने से बचें और खानपान पर विशेष ध्यान दें।

फार्मर रजिस्ट्री: 2.28 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण

किसानों की डिजिटल पहचान की ओर तेजी से बढ़ रहा उत्तर प्रदेश यूपी में अंश निर्धारण का कार्य 87.19 प्रतिशत पूरा

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से

डिजिटल कृषि व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है। किसानों को सरकारी योजनाओं का पारदर्शी, त्वरित लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री अभियान ने बड़े स्तर पर परिणाम देना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार की सक्रिय पहल के चलते अब तक 2.28 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है, जो केंद्र सरकार द्वारा लक्ष्य का 79.10 प्रतिशत कार्य पूरा है। फार्मर रजिस्ट्री अभियान की शुरुआत 5 नवंबर 2024 से की गई थी। केंद्र सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के लिए 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान प्रगति के अनुसार 2,28,36,658 किसानों का नामांकन किया जा चुका है, जबकि 60,33,837 किसानों का पंजीकरण अभी शेष है। वर्तमान प्रगति के आधार पर किसानों की आईडी निर्माण प्रक्रिया 20 अगस्त तक पूर्ण होने का अनुमान है।सरकार का उद्देश्य किसानों का एकीकृत डिजिटल डाटाबेस तैयार करना है, जिससे उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, कृषि अनुदान, ऋण सुविधा और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से मिल सके। सरकार की प्राथमिकता केवल पंजीकरण तक सीमित नहीं है बल्कि भूमि और किसानों के रिकॉर्ड को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना भी है। "अंश निर्धारण" का कार्य भी तेजी से चल रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में अंश निर्धारण का कार्य 87.19 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। इससे भूमि रिकॉर्ड की शुद्धता बढ़ेगी और भविष्य में विवादों को कम करने में मदद मिलेगी। फार्मर रजिस्ट्री उत्तर प्रदेश की कृषि व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकती है। इससे सरकार को वास्तविक किसानों की पहचान करने, योजनाओं की मॉनिटरिंग करने और कृषि आधारित नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। डिजिटल गवर्नेंस, ऑनलाइन सेवाओं और डेटा आधारित योजना क्रियान्वयन के जरिए उत्तर प्रदेश को आधुनिक और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। फार्मर रजिस्ट्री अभियान को भी व्यापक परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है, जो आने वाले समय में प्रदेश के करोड़ों किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

कपिल देव ने की प्रशिक्षण एवं सेवायोजन स्थायी समिति के सदस्यों के साथ बैठक

"न्यू एज स्किल्स" पर विशेष फोकस, रोबोटिक्स, ईवी, सीएनसी को बढ़ावा

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने सोमवार को प्रशिक्षण एवं सेवायोजन स्थायी समिति के सदस्यों के साथ विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष संख्या–58 में प्रशिक्षण एवं सेवायोजन स्थायी समिति की बैठक की। बैठक में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण से जुड़े पहलुओं पर चर्चा हुई और सदस्यों में अपने सुझाव दिए।श्री अग्रवाल ने प्रदेश के राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई की संख्या, प्रवेश एवं प्रशिक्षण की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। सरकारी आईटीआई मे 1.29 लाख तथा निजी आईटीआई में 2.77 लाख युवाओं का प्रवेश हुआ है। वैश्विक एवं औद्योगिक मांग के अनुरूप "न्यू एज स्किल्स" जैसे रोबोटिक्स, सीएनसी मशीनिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल, कंप्यूटर एवं अन्य तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण को और सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

बेला

बेला के संदर्भ में, प्रचलित है यह गाथ।
चुनने वालों का करे, सदा सुगन्धित हाथ।
सदा सुगन्धित हाथ, पुजारिन हो या मुग्धा।
वेणी का श्रंगार, साथ में हरि की पूजा।
सुन लो कहें प्रदीप, न करता कभी झमेला।
खिलता आधी रात, भोर में हँसता बेला।।

जीवन छोटा है मगर, बहुत बड़ा है नाम।
श्वेत रंग का पुष्प, भाव सुगन्ध प्रणाम।
भाव सुगन्ध प्रणाम, भरे अंतस में बेला।
मधुरम करती शाम, भोर में करती खेला।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी का मनभावन बन।
अमर हो गया पुष्प, एक दिन का पा जीवन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरणनाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना यादव के पूज्य पिता के निधन पर दी श्रद्धांजलि

प्रतापगढ़। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव जी के सराय भूपति स्थित पैतृक आवास पर पहुँचकर उनके पूज्य पिता जी के निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की। पुण्य आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस कठिन समय में पूरा भयहरणनाथ धाम परिवार मुन्ना यादव जी एवं उनके परिजनों के साथ खड़ा है।

इस अवसर पर संस्थान के उपाध्यक्ष वित्त व ल्ज कार्यकर्ता श्री राजीव नयन मिश्र, बकुलाही पुनरोद्धार अभियान में अद्वितीय भूमिका निभाने वाले वर्तमान सभासद व तत्कालीन ग्राम प्रधान सराय देव राय श्री मोती लाल चौधरी सहित क्षेत्रीय सभासद, समाज सेवक व गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे। प्रभु दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

प्रतीक यादव की तेरहवीं पर पहुंचे योगी, शोकाकुल परिवार को दी सांत्वना

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव की तेरहवीं सोमवार को विक्रमादित्य मार्ग स्थित उनके आवास पर संपन्न हुई। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने पत्नी अपर्णा यादव समेत परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। दरअसल,

प्रतीक यादव का निधन 13 मई को हुआ था। वे अपने आवास पर मृत पाए गए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने फेफड़ों की बीमारी को मृत्यु का कारण बताया था। अगले दिन भैंसाकुंड श्मशान में उनकी अंत्येष्टि की गई थी। तेरहवीं के मौके पर विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर पूरा यादव परिवार एकत्र हुआ। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, उनकी पत्नी डिंपल यादव, भाई धर्मेंद्र यादव, आदित्य यादव और चाचा शिवपाल सिंह यादव शामिल रहे। परिवार के नजदीकी लोगों के अनुसार उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के भी पहुंचने की संभावना है। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अपने नेता अखिलेश यादव को देखने के लिए आवास के बाहर मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रवेश को लेकर कड़े नियम लागू किए गए। सभी कार्यकर्ताओं को अंदर आने की अनुमति नहीं थी। गौरतलब है कि प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं और भाजपा में हैं। प्रतीक के निधन पर सीएम योगी पहले भी श्रद्धांजलि देने उनके आवास पहुंचे थे। भाजपा के बड़े नेताओं के साथ ही मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी शोकाकुल परिवार से मुलाकात की थी। बता दें कि प्रतीक यादव का निधन 13 मई 2026 को हुआ था। उनके अचानक निधन ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया। कई दिनों से बीमार चल रहे प्रतीक की मौत का कारण हार्ट में खून का थक्का जमने को मुख्य कारण माना गया। इसके बाद 14 मई को उनका गोमती किनारे अंतिम संस्कार हुआ।

यूनिवर्सिटी है, स्कूल नहीं! लखनऊ विश्वविद्यालय में ड्रेस कोड के खिलाफ सड़क पर लेटे छात्र

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) परिसर एक बार फिर राजनीति और विरोध का अखाड़ा बन गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा नए शैक्षणिक सत्र से अनिवार्य किए गए ड्रेस कोड के खिलाफ विद्यार्थियों ने मोर्चा खोल दिया है। छात्रों का आरोप है कि नियमों की आड़ में संस्थान उनका मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। विरोध इस कदर बढ़ा कि उग्र छात्रों ने छात्र भवन चौराहे को पूरी तरह जाम कर दिया और विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ तीखी नारेबाजी की। प्रदर्शन को अनोखा और आक्रामक रूप देते हुए दर्जनों छात्र मुख्य सड़क पर लेट गए और आवागमन ठप कर दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन की तानाशाही और तानाशाही नहीं चलेगी के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। सड़क जाम होने और हंगामे की स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

सम्पादकीय.....

धर्म, संस्कृति रक्षा का जनजातीय संघर्ष तेज

देश में कुल 11 प्रतिशत जनजातीय समाज है, जिसमें 98 प्रतिशत आतंकवाद, स्वदेश से अलग होने के विद्रोही ड्क्षहसक आंदोलन, विदेशी धन और विदेशी विचारों का प्रकोप है, इसका भान बहुधा देशवासियों को नहीं होता। गृह मंत्रालय की प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सूची में केवल उत्तर–पूर्वांचल के जनजातीय क्षेत्रों में सक्रिय ज्यादा संगठन हैं और शेष भारत में जनजातीय क्षेत्रों में व्याप्त विद्रोही देश विरोधी आतंकवादी संगठनों को जोड़ा जाए तो आधे से ज्यादा संगठन केवल और केवल 11 प्रतिशत जनजातीय क्षेत्रों में हैं। इनमें भोली–भाली, निश्छल, सहज विश्वासी एवं गरीबी की शिकार जनजातियों की संख्या अधिकतम है। इस कारण विदेशी षड्यंत्रों को इन क्षेत्रों में पांव पसारने में आसानी होती है। ईसाई धर्मान्तरण, कम्युनिस्ट माओवादी आतंकवाद का प्रसार, सरकार के विरुद्ध असंतोष को बढ़ावा, उनके धर्म और संस्कृति का रोमनीकरण, उनकी भाषा और भूषा का विलुप्त होना, यह सब संकट इस 11 प्रतिशत समाज में व्याप्त हो गए। अब विश्व के सबसे बड़े गैर ईसाई जनजातीय संगठन वनवासी कल्याण आश्रम के नेतृत्व में 5 लाख जनजातीय समाज के लोग देश के कोने–कोने से दिल्ली के लाल किले पर आजादी के बाद के सबसे बड़े प्रदर्शन के लिए आए हैं, जिसको गृह मंत्री अमित शाह और हर जनजातीय क्षेत्र के नेता सम्बोधित करेंगे। उत्तर–पूर्वांचल के आठों प्रदेशों में म्यांमार, बंगलादेश, भूटान, थाईलैंड और पाकिस्तान की सीमा पर बसे लाखों जनजातीय स्त्री–पुरुष दिल्ली की भीषण गर्मी में एक ही बात चाहते हैं–उनके धर्म, सांस्कृतिक परम्पराओं की रक्षा की जाए, जो लोग जनजातीय समाज छोड़ कर धर्मान्तरित हो जाते हैं, उनको दोगुना लाभ–अल्पसंख्यक और जनजातीय मिलना असंवैधानिक है, उस पर रोक लगनी चाहिए। श्रीमती इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में सदस्य, लोहरदगा क्षेत्र के विद्वान जनजातीय नेता श्री काष्ठक उरांव ने सबसे पहले इस मांग को उठाया था कि जो व्यक्ति जनजातीय धर्म और परंपरा को छोड़ कर ईसाई या मुसलमान बन जाता है, उसको जनजातीय सूची से अलग कर देना चाहिए। डा. भीम रॉव आंबेडकर का भी यही मत था। उन्होंने 235 लोकसभा सांसदों के हस्ताक्षरों से युक्त एक ज्ञापन तथा अनुसूचित जनजाति संशोधन अधिनियम भी श्रीमती इंदिरा गांधी को सौंपा था, परन्तु वह ईसाई सांसदों के दबाव में आ गईं और इस पर कुछ नहीं किया।देश के हर सीमान्त क्षेत्र में बसे प्रत्येक गांव में, यानी जैसलमेर, जोधपुर से लेकर तवांग (अरुणाचल) और लद्दाख से लेकर अंडेमान तक, केवल जनजातीय समाज के लोग रहते हैं। वे सीमान्त के प्रथम प्रहरी होते हैं, शत्रु का सामना, सेना से पहले जनजातीय समाज के लोग करते हैं। कारगिल के समय पाकिस्तानी घुसपैठ की पहली सूचना वहां बसे जनजातीय समाज के चरवाहों ने दी थी। यदि जनजातीय समाज विचलित होता है, उसमें विदेशी षड्यंत्रों को पनपने दिया जाता है, तो उससे पूरा देश प्रभावित होता है। भारत के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह और खूनी अराजकता फैलाने वाले नक्सल–माओवादी कम्युनिस्ट आतंकवाद के अग्रगामी थे। उनका एक तरह से प्रांतों के जनजातीय क्षेत्रों में पिछले 40 वर्षों से आधिपत्य चल रहा था। हजारों करोड़ रुपए उनके प्रति सुरक्षा बल लगाने में खर्च किए गए। पाकिस्तान और चीन से विभिन्न युद्धों से अधिक सुरक्षा सैनिक इन माओवादियों द्वारा भारत के भीतर बलिदान किए गए। देश में पहली बार अमित शाह की खुली छूट के बाद इन माओवादियों का अंत किया गया और जनजातीय समाज को उनके शिकंजे से मुक्त किया गया।प्रधानमंत्री मोदी द्वारा झारखंड के देवता, 'धरती के आबा' बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस घोषित करना इस बात की प्रतिष्ठापना थी कि अंग्रेजों तथा उनके नेतृत्व में जनजातियों के धर्म और संस्कृति के विरुद्ध आक्रमणों का सामना करने वाले महावीर बिरसा के आदर्श इस सरकार को प्रेरणा देते हैं। बिरसा का जीवन और बलिदान धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए था। जनजातीय समाज का लाल किले पर प्रदर्शन वास्तव में राष्ट्रीय आत्मा का क्रंदन है। यह वह समाज है, जिसने लंका विजय के लिए भगवान राम का साथ दिया, शिवाजी और राणा प्रताप को विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध समर्थन दिया, नागालैंड, अरुणाचल, मणिपुर, मेघालय, असम और त्रिपुरा के महान वीरों और खेल के शीर्ष विजेताओं ने भारत का मान बढ़ाया। ये लोग केवल 26 जनवरी की शोभा नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा और सभ्यता के प्रहरी प्रतीक हैं। इनकी बात को अनसुना करना पूरे भारत के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा।

मार्को रुबियो' भारत में क्या वह अमरीका-भारत संबंधों को बचा सकते हैं?

सीमा सिरोही

मार्को रुबियो अपनी पहली भारत यात्रा पर एक भारी बोझ लेकर पहुंचे हैं। सोशल मीडिया के सतही संदेशों को अलग रखें, तो रुबियो का काम कठिन

है–अपने समकक्षों को कैसे शांत किया जाए, संशयवादियों को कैसे आश्वस्त किया जाए और यह ढोंग कैसे किया जाए कि पिछले डेढ़ साल की घटनाएं संबंधों में एक मामूली भटकाव के अलावा और कुछ नहीं थीं। यह आसान नहीं है। लेकिन ट्रम्प के मंत्रिमंडल के सबसे कुशल सदस्य के रूप में, जो जरूरत पडने पर कूटनीति का उपयोग कर सकते हैं और आवश्यकता होने पर आग उगल सकते हैं, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शायद इस समय के लिए सबसे आवश्यक व्यक्ति हैं। निश्चित रूप से, उन्हें एक कठिन जूरी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन हाल ही में भारत में हुई ब्रिक्स बैठक के बारे में रुबियो के पास खुद भी कुछ सवाल हो सकते हैं। ट्रम्प का मानना है कि यह समूह अमरीकी हितों के प्रतिकूल है। 23–26 मई की इस यात्रा में दिल्ली के अलावा कोलकाता, आगरा और जयपुर के पड़ाव शामिल हैं, जिसमें अमरीका की 250वीं वर्षगांठ मनाने के उत्सव भी शामिल हैं। रुबियो का 'गोल्डन ट्रायंगल' (स्वर्ण त्रिभुज) का यात्रा कार्यक्रम दिलचस्प है। आधिकारिक एजैंडे में ऊर्जा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर बातचीत शामिल है, जिसमें अमरीकी तेल, हथियार और छोटे परमाणु रिएक्टर 'अधिक खरीदने' का अंर्तनहित संदेश है। अंतिम दिन ऑस्ट्रेलिया और जापान की उपस्थिति में एक क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की योजना है।

लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की संभावना कम ही दिख रही है। जब से ट्रम्प ने पद संभाला है, उन्होंने 'क्वाड' शब्द का उच्चारण तक नहीं किया। क्या यह चीन को खुश करने के लिए है या इसलिए कि वह इस समूह का कोई मूल्य नहीं देखते हैं, यह स्पष्ट नहीं है। यह गिरावट कुछ वैसी ही है, जैसे 'विश्वगुरु' सिकुड़कर 'विश्वमित्र' रह जाए। क्वाड को एक तरफ रखें, तो भारत–अमरीका द्विपक्षीय संबंधों को राजनीतिक जड़ता से बाहर निकालने की आवश्यकता अधिक तात्कालिक है। मौखिक अपमान और टैरिफ की चोट का वर्ष अभी भी यादों में ताजा है, ईरान पर अमरीकी युद्ध भारत को कई तरीकों से नुकसान पहुंचा रहा है, जिनकी गिनती करना मुश्किल है और शी जिनपिंग और आसिम मुनीर के प्रति ट्रम्प का झुकाव हर चीज को और कठिन बना देता है। क्या ट्रम्प के ये व्यवधान इसके लायक हैं? वे देश जो महासागरों की सुरक्षा से नहीं घिरे हैं या तेल से समृद्ध नहीं हैं या ट्रिलियन–डॉलर के सैन्य बजट द्वारा सुरक्षित नहीं हैं, वे कहेंगे, 'बिल्कुल नहीं।' रुबियो निरूसंदेह कुछ वास्तविक और कुछ काल्पनिक तर्क देंगे, ताकि दोनों पक्ष शांत रहकर अपना काम जारी रख सकें। क्या उनकी स्वागत समिति इससे सहमत होती है, यह अलग बात है। रुबियो को पाकिस्तान की ओर अमरीकी झुकाव पर दिल्ली का नजरिया मिलेगा और यह भी कि इससे भारत के खिलाफ पाकिस्तान प्रायोजित एक और आतंकवादी हमले का खतरा कैसे बढ़ जाता है। ट्रम्प से कथित निकटता मुनीर को इस विश्वास में एक और दुस्साहस के लिए उत्तेजित कर सकती है कि उन्हें राष्ट्रपति के 'पसंदीदा' फील्ड मार्शल के रूप में संरक्षण प्राप्त है।

जैसा कि एक पूर्व राजदूत ने उल्लेख किया, मुनीर को व्हाइट हाऊस के दोपहर के भोजन पर आमंत्रित करना इसराईल के खिलाफ 7 अक्तूबर के हमलों के बाद हमास के प्रमुख को बुलाने जैसा था। रुबियो के लिए विचार करने योग्य एक बात यहां है–ओ. आर.एफ. के युवाओं के एक नए सर्वेक्षण से पता चलता है कि अमरीका के लिए समर्थन घट रहा है। यह 2024 के 83 प्रतिशत से गिरकर 2025 में 56 प्रतिशत रह गया। कम से कम 71 प्रतिशत उत्तरदाता अमरीका की अप्रत्याशितता को लेकर चिंतित थे और उन्होंने रूस और जापान को अगले 10 वर्षों में अग्रणी भागीदार बनते देखा। यदि यह भी अमरीकी विदेश मंत्रालय को सचेत नहीं करता है, तो कुछ भी नहीं करेगा। लेकिन फिर, अमरीकी राजनयिकों ने अधिकांश 'आम' भारतीयों के अमरीका–समर्थक झुकाव की कभी वास्तव में सराहना नहीं की, न ही इसे पोषित की जाने वाली एक रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है। वे इसकी बजाय पाकिस्तान में अमरीकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों पर हमला करने वाली आक्रोशित भीड़ को रिझाने में ऊर्जा लगाना पसंद करेंगे, जो लगभग हमेशा पाकिस्तान सेना के इशारे पर होता है। भारत के पास बदलते समीकरणों, विशेष रूप से अमरीका और चीन के बीच के समीकरणों से निपटने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। रुबियो निरूसंदेह हाल के अमरीका–चीन शिखर सम्मेलन पर अपने विचार सांझा करेंगे और यह भी कि क्यों प्रतिस्पर्धा का यह बड़ा खेल शी जिनपिंग को सोयाबीन और बोइंग बेचने में खो गया।भारत के लिए बिक्री पिच में परमाणु ऊर्जा पर जोर शामिल होगा, एक ऐसा क्षेत्र, जहां चीजें आखिरकार आगे बढ़ती दिख रही हैं। अमरीकी उद्योग के अधिकारियों और भारत के ऊर्जा मंत्री ने हाल ही में बैठक की कि कैसे 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता का भारत का दृष्टिकोण वास्तविकता बन सकता है। महाराष्ट्र छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के लिए एक 'शुरुआती केंद्र' के रूप में उभर सकता है।

नकारात्मक पक्ष यह है कि अमरीका–भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं हुए। क्या अमरीका में 30 बिलियन डॉलर तक निवेश करने का गौतम अडानी का कदम रास्ता आसान करेगा? या इस ठप्प पड़े सौदे पर अमरीका की उच्च टैरिफ की धमकियां मंडराती रहेंगी? सहमत हुई शुरुआती शर्तेंध्दरें अब मान्य नहीं हैं क्योंकि अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने उन टैरिफ को अमान्य कर दिया, जो ट्रम्प ने आपातकालीन शक्तियों का उपयोग करके लगाए थे। इससे पहले सघ्जयो गोर की रुबियो की यात्रा की घोषणा करने वाली पोस्ट पर एच–1बी, कॉल सैंटर स्कैमर्स और अवैध भारतीय प्रवासियों के खिलाफ कई गुस्से वाली टिप्पणियां आईं।

सात अपीलें सरकार कीं, आठवीं जनता की

प्रधानमंत्री जी ने हमें 7 सरल अपीलें की हैं। ये केवल सरकारी आदेश नहीं, ये हर परिवार, हर घर के लिए एक रोडमैप हैं। जहां तक संभव हो, घर से काम

करें। मैट्रो और बस का उपयोग करें, पैट्रोल–डीजल बचाएं। एक साल तक सोना खरीदने और विदेश यात्रा से बचें। खाने के तेल का उपयोग कम करें। प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें, रासायनिक खाद कम इस्तेमाल करें और विदेशी ब्रांड की बजाय स्वदेशी उत्पाद चुनें। इन सातों की एक ही आवाज है, एक ही संदेश है–राष्ट्र प्रथम। ये सात बिंदू हमारे दैनिक जीवन के हर पहलू को छूते हैं। हम कैसे यात्रा करते हैं, क्या खाते हैं, क्या खरीदते हैं और कैसे खेती करते हैं। इनका निशाना एक बड़ी समस्या पर है। भारत कच्चा तेल, सोना, खाद्य तेल, रासायनिक खाद और विदेशी सामान खरीदने के लिए भारी मात्रा में पैसा विदेश भेजता है। अगर हम अपनी आदतों में थोड़ा भी बदलाव लाएं, तो हम देश के करोड़ों रुपए बचा सकते हैं। यही आत्मनिर्भर भारत है, जो हमारी रसोई से, हमारे दफ्तरों से और हमारी सड़कों से शुरू होता है। लेकिन नागरिक होने के नाते, हम इस सूची में एक और अपील जोड़ सकते हैं। एक आठवीं अपील, जो हमारे अपने सामाजिक मूल्यों और रोजमर्रा के अनुभवों से जन्मी हो। जरा अपने पारिवारिक रीति–रिवाजों के बारे में सोचिए। जब किसी का निधन होता है, हम श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए लंबी दूरी तय करते हैं। जब कोई रिश्तेदार बीमार पड़ता है या हादसे का शिकार होता है, हम व्यक्तिगत रूप से खबर लेने के लिए दौड़ पड़ते हैं। यही हमारी संस्कृति है। हमारा प्यार और हमारी परवाह सच्ची है। कोई भी इन भावनाओं को बदलना नहीं चाहता। लेकिन कभी–कभी दूरी बहुत अधिक होती है। हम घंटों सड़क पर बिताते हैं, लीटरों पैट्रोल जलाते हैं, टिकटों पर पैसे खर्च करते हैं, थोड़ी देर की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए। इसे देशभर के लाखों परिवारों से गुणा करें, तो ईंधन में छिपी लागत बहुत बड़ी है। अब, एक छोटे–से बदलाव की कल्पना कीजिए। जब भौतिक उपस्थिति वास्तव में संभव न हो, या जब यह एक बहुत लंबी, ईंधन जलाने वाली यात्रा बन जाए, तो हम ऑनलाइन जुडने का विकल्प चुन सकते हैं। एक गरिमामयी वीडियो कॉल पर श्रद्धांजलि सभा, जहां परिवार के सभी सदस्य अपने–अपने घरों से जुड़ें, एक साथ स्क्रीन पर दीया जलाएं और प्रार्थना करें, क्या इसमें वही हार्दिक भावना नहीं है? एक बीमार रिश्तेदार को गर्मजोशी भरी वीडियो कॉल, जहां वे आपका चेहरा देख सकें और आपकी आवाज सुन सकें। क्या यह खबर लेना अपने सबसे सच्चे रूप में नहीं है? यह हमारे संस्कारों को बदलने की बात नहीं, उन्हें टिकाऊ बनाने की है। देखिए, यह छोटा–सा बदलाव हमारे देश के लिए क्या कर सकता है।

1. पैट्रोल–डीजल की बचतः हर टाली गई लंबी यात्रा का मतलब है ईंधन भारत के टैंक में बचा रहा, सड़क पर नहीं जला। यह सीधे प्रधानमंत्री जी की ईंधन खपत कम करने की अपील को साकार करता है।

2. विदेशी मुद्रा की बचतः कम ईंधन जलाने का मतलब है कम कच्चा तेल आयात होना। हमारे देश के कीमती डॉलर घर पर रहते हैं।

3. धन की बचतः टिकट का वह पैसा, ईंधन की वह लागत आपकी जेब में आपके परिवार की जरूरतों के लिए बच जाती है।

4. प्रदूषण में कमीः सड़कों पर कम वाहन, हमारे बच्चों के सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा।

5. समय की बचतः घंटों की यात्रा मिनटों के सार्थक जुड़ाव में बदल जाती है। टैक्नोलॉजी सिर्फ ऑफिस के काम और मनोरंजन के लिए नहीं, यह हमारे देश की सेवा कर सकती है। वहीं वर्क फ्रॉम होम का तर्क, जो प्रधानमंत्री जी ने दफ्तरों के लिए सुझाया, हमारे सामाजिक कर्त्तव्यों पर भी लागू हो सकता है। यही स्वदेशी का सही अर्थ है–अपने संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना, तेल के लिए विदेशों में पैसा नहीं भेजना। प्रधानमंत्री की 7 अपीलें तब चमत्कार दिखाएंगी, जब सरकार इन पर अमल करेगी। लेकिन ये तब करिश्मा बन जाएंगी, जब हम, आम जनता इन्हें अपनाएंगे और अपने विचार इनसे जोड़ेंगे। एक ऑनलाइन शोक सभा परंपरा का अपमान नहीं है। यह कहने का एक जिम्मेदार, विचारशील तरीका है, कि मुझे परवाह है, अपने परिवार की भी और अपने देश की अर्थव्यवस्था की भी। तो आइए, आज हम सब चुपचाप इस आठवीं अपील को अपना बना लें। जहां तक संभव हो, मैं सामाजिक जुड़ाव के लिए डिजिटल साधनों का उपयोग करूंगा, ताकि परिवार के प्रति मेरा प्रेम और राष्ट्र के प्रति मेरा कर्तव्य, दोनों कंधे से कंधा मिलाकर चलें। छोटे–छोटे बदलाव। करोड़ों लोग। एक महान राष्ट्र। यही राष्ट्र प्रथम है। यही हमारा भारत है।–

विजन पंजाब 2047: पंजाब को फिर से नंबर एक बनाने का संकल्प

तरुण चुघ

पंजाब यह नाम सुनते ही मन में उठती हैं वो लहरें, जो गेहूं के खेतों में लहराती हैं, वो शौर्य जो हरिमंदिर साहिब के स्वघ्णम गुंबद में चमकता है और वो साहस, जो जलियांवाला बाग की

मिट्टी में आज भी धड़कता है। यह वही धरती है जिसने देश को आजादी के लिए शहीद दिए, युद्धों में सीना तान कर खड़े हुए सैनिक दिए और अपनी मेहनत की पराकाष्ठा से देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज पंजाब एक गहरे दर्द से गुजर रहा है। आज पंजाब में नशे का दानव युवाओं की जान ले रहा है। बेरोजगारी की मार से युवा पीढ़ी देश छोडने को मजबूर है। किसान संकट में है, उद्योग ठप्प पड़े हैं, गैंगस्टरों का राज है और भूजल तेजी से समाप्त हो रहा है। पंजाब 2025 में 18.9 प्रतिशत युवा बेरोजगारी दर के साथ देश में एक चिंताजनक स्थिति में खड़ा है। यह सब क्यों हुआ? क्योंकि पंजाब को एक ऐसी सरकार मिली, जो केवल झूठे वादों की राजनीति करती रही, आम आदमी पार्टी की सरकार, जो पंजाब की आत्मा को समझने में पूरी तरह विफल रही। विजन पंजाब 2047 केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है। जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब पंजाब को भारत का सबसे समृद्ध, सुरक्षित, शिक्षित और स्वाभिमानी राज्य बनाना है। आज पंजाब की जी.एस.डी.पी. लगभग 8.02 लाख करोड़ रुपए है और प्रति व्यक्ति आय लगभग 2.09 लाख रुपए। राज्य प्रति व्यक्ति आय के मामले में 19वें स्थान पर है। यह स्थिति उस पंजाब के लिए अपमानजनक है जो कभी देश की शान था। विजन 2047 का लक्ष्य है कि पंजाब की जी.डी.पी. को 35.40 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाया जाए, प्रति व्यक्ति आय 12–15 लाख रुपए वाघ्षक हो और पंजाब प्रति व्यक्ति आय में देश में पहले स्थान पर आए। इसके लिए 8–10 प्रतिशत की निरंतर वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी। यह असंभव नहीं, यह अनिवार्य है। और हम पंजाबियों को अपने पंजाब के भविष्य के लिए कृषि में आधुनिकता और सपोर्ट सिस्टम तैयार करना होगा। पंजाब में नई औद्योगिक क्रांति का समय आ गया है। विनिर्माण, एग्रो–प्रोसैसिंग, ई.वी. कंपोनैंट्स, रक्षा उत्पादन, इलैक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स, वस्त्र उद्योग और हरित ऊर्जा, ये वे क्षेत्र हैं जो पंजाब को एक नई पहचान दे सकते हैं। 15 औद्योगिक केंद्र और 6 हवाई अड्डों की कनैक्टिविटी से पंजाब को देश और दुनिया से जोड़ा जाएगा। पंजाबी उद्यमिता को फिर से जगाने की जरूरत है, आसान ऋण, कम अनुपालन बोझ, स्टार्टअप सहायता और प्रवासी निवेश के जरिए। पंजाब की सबसे बड़ी त्रासदी आज उसका नशे का संकट है। 2026 में राज्य सरकार ने लगभग 65 लाख परिवारों का सर्वेक्षण करने की योजना बनाई है, यह आंकड़ा ही बता देता है कि समस्या कितनी गहरी है। विजन 2047 के तहत पंजाब को पूरी तरह नशामुक्त बनाने का लक्ष्य है, सख्त कानून प्रवर्तन, पुनर्वास केंद्र, रोजगार के अवसर, खेल–कूद को प्रोत्साहन और समुदाय आधारित निगरानी के माध्यम से। आम आदमी पार्टी की सरकार ने नशे के खिलाफ जंग का नाटक तो किया, परंतु असल परिणाम शून्य रहे। गैंगस्टर नैटवर्क, नारको–क्राइम और सीमा पार से होने वाली तस्करी पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। भाजपा का विजन है–2 वर्षों में पंजाब को नशामुक्त, माफिया मुक्त एवं गैंगस्टर मुक्त बनाना। आधुनिक पुलिसिंग, त्वरित सुनवाई अदालतें, साइबर इंटैलिजैंस और युवाओं के पुनर्वास के द्वारा यह लक्ष्य हासिल किया जाएगा। पंजाब की एक और गंभीर चुनौती है–भूजल की अंधाधुंध निकासी। धान की खेती और ट्यूबवैल सिंचाई पर अत्यधिक निर्भरता के कारण पंजाब का भूजल तेजी से समाप्त हो रहा है। यदि यही चलता रहा तो आने वाली पीढियों के लिए पानी का संकट भयावह हो जाएगा। विजन 2047 में जल–सुरक्षित पंजाब की परिकल्पना है–फसल विविधीकरण, नहर पुनरुद्धार, ड्रिप सिंचाई, वर्षा जल संग्रहण, अपशिष्ट जल का पुनरू उपयोग, हजारों तालाबों के निर्माण और भूजल पुनर्भरण के माध्यम से। आज पंजाब के युवा रोजगार और शिक्षा की तलाश में विदेश जा रहे हैं। यह दर्दनाक है। विजन 2047 का लक्ष्य है कि पंजाब शीर्ष 5 शिक्षा राज्यों में शामिल हो–विश्वस्तरीय विद्यालय, विश्वविद्यालय, कौशल केंद्र, ए.आई. लैब, खेल अकादमियां और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करके। 2047 तक पंजाब में इतने उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजित होने चाहिएं (उद्योग, आई.टी., कृषि, पर्यटन और सेवा क्षेत्र में), कि पंजाबी युवा को मजबूरी में नहीं, बल्कि गर्व से यहां रुकने का मौका मिले। खेल के क्षेत्र में भी पंजाब की एक नई पहचान बनाने का समय है। पंजाब ने देश को अनेक महान खिलाड़ी दिए हैं। विजन 2047 का लक्ष्य है कि पंजाब प्रत्येक ओड्क्षलपिक में न्यूनतम 5 पदक जीते। इसके लिए एक सुदृढ़ पंजाब राज्य खेल नीति, विश्वस्तरीय खेल अकादमियां और ग्रासरूट स्तर पर प्रतिभा की पहचान आवश्यक है।

अलग (लघुकथा)

एड़ी की तरफ़ से आधी घिस चुकी हवाई चप्पल दुकान के बाहर उतारने और नयी चप्पल पहनने के बाद जब उसने पहला क़दम सड़क पर रखा तो उसके दिल में ख़ुशी,होंठों पर मुस्कुराहट और चाल में अलग सी बात थी।

चलती सड़क पर भीड़ के बीच भी अपने आपको अलग महसूस करते हुए वह स्टेशन पहुँचा,लोकल ट्रेन प्लेटफार्म से छूट ही रही थी। उसे काम पर पहुँचने की जल्दी थी और धक्के खाते हुए वह उछल कर ट्रेन के डिब्बे में चढ़ने ही वाला था तभी उसके पैर की चप्पल किसी मुसाफ़िर के पाँव तले दब कर उतर गयी। एक पैर की चप्पल पाने के लिए वह सैकड़ों पैरों से जूझते हुए प्लेटफ़ॉर्म और चल पड़ी गाड़ी के बीच जा फंस।

दूसरे मुसाफ़िरों ने उसे वापस प्लेटफार्म पर खींचा तो वह ज़िंदा और बहुत ज़ख़्मी भी था। उसके एक हाथ और एक पैर में चप्पल थी,मगर उसके दूसरे पैर का निचला हिस्सा कट कर अलग हो चुका था।

अनवार अब्बास नक़वी

वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता व डेविड धवन ने किया है। इस फिल्म के बाद डेविड धवन फिल्ममेकिंग से रिटायरमेंट ले रहे हैं। ऐसे में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के बाद डेविड धवन के सफर को ट्रिब्यूट देते हुए एक इवेंट किया गया। इसमें तमाम सेलेब्स

'कलंक' के फ्लॉप होने से निराश हो गए थे वरुण

पहुंचे। इस दौरान वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन ने बात भी की और मीडिया के सवालों के भी जवाब दिए। इसी दौरान पिता–पुत्र ने वरुण धवन की फ्लॉप फिल्म 'कलंक' को लेकर भी बात की। वरुण ने बताया कि 'कलंक' की असफलता के बाद वह पूरी तरह से टूट गए थे। वहीं डेविड धवन ने भी श्कलंकश के फ्लॉप होने पर करण जौहर को लेकर अपनी राय रखी। इवेंट के दौरान वरुण धवन ने श्कलंकश को अपने करियर की पहली फ्लॉप फिल्म बताया। उन्होंने कहा कि जब मेरी पहली फिल्म फ्लॉप हुई, जो कुछ हिट फिल्मों के बाद आई थी, तो मुझे बहुत गहरा सदमा लगा। मैं सोचने लगा था कि ये कैसे हो गया, क्यों हो गया? क्योंकि मेरी लगातार कई हिट फिल्में आ रही थीं। मेरे पिता हमेशा कहते थे कि ये करियर का नियम है। इसी दौरान डेविड धवन ने फिल्म को लेकर बात करते हुए कहा कि इस महंगी फिल्म ने निर्माता करण जौहर की जेबें खाली कर दी होंगी। उन्होंने कहा कि उनकी एक फिल्म फ्लॉप हुई और इसने मुझे बहुत निराश किया। वो बहुत बड़ी फिल्म थी। करण जौहर ने उस फिल्म को बनाने के लिए अपनी आखिरी कमीज भी बेच दी होगी। वो फिल्म थी कलंक। डेविड धवन ने बताया कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले संजय दत्त भी इसके प्रदर्शन से नाखुश थे। उन्होंने संजय दत्त को चिढ़ाते हुए कहा कि मैंने संजय दत्त से पूछा, 'तूने ये फिल्म क्यों की? माधुरी दीक्षित थीं इसलिए?' करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की बड़े बजट की फिल्म 'कलंक' साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में वरुण धवन समेत एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आई थी, जिसमें संजय दत्त, माधुरी दीक्षित, आलिया भट्ट, आदित्य रॉय कपूर और सोनाक्षी सिन्हा जैसे कलाकार शामिल हैं। फिल्म से करण जौहर को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कलंक' का बजट लगभग 150 करोड़ रुपए था, लेकिन फिल्म इसके आसपास भी नहीं पहुंच पाई थी। 'है जवानी तो इश्क होना है' की बात करें तो डेविड धवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में मौनी रॉय, मनीष पॉल, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल और राकेश बेगी भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्रिस्टल डिसूजा की पार्टी फोटोज ने मचाया बवाल

अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा और देसी ब्लिंग फेम अभिनेता एपी के डेटिंग रूमर्स काफी तेजी से फैल रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद से दोनों का रिश्ता सुर्खियों में है। इस तस्वीर में एपी अपने दोस्तों के साथ नजर आ रहे हैं, वहीं क्रिस्टल भी उनके साथ मौजूद हैं। पार्टी के दौरान के इस वीडियो में क्रिस्टल डिसूजा, एपी और उनके करीबी दोस्त मौजूद हैं। सभी मिलकर पोज दे रहे हैं। एपी, क्रिस्टल को अपनी बाहों में थामे हुए हैं। वीडियो में वो उनके गाल चूमते नजर आते हैं। अब इस वीडियो क्लिप को देखकर फैंस यह तय नहीं कर पा रहे कि जो दिख रहा है वो सिर्फ पार्टी मूमेंट है या फिर कपल के डेटिंग की अफवाहें सच हैं। एपी का नाम पहली बार एक रियलिटी शो देसी ब्लिंग से चर्चा में आया। इस शो में दुबई में रहने वाले अमीरों की लाइफ दिखाई जाती है। एपी का दुबई में सुपर कार का बिजनेस है। क्रिस्टल ने अपने करियर की शुरूआत 2007 में टीवी सीरियल से की थी। एक हजारों में मेरी बहना है से वो मशहूर हुईं और 2021 में फिल्म चेहरे से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। हाल ही में वह रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 के गाने शरारत में दिखाई दी थीं।

आइवरी रोज ड्रेस में ऐश्वर्या राय ने फैंस को दिया सरप्राइज, मेकअप से याद दिलाया विंटेज हॉलीवुड लुक

कान फिल्म फेस्टिवल 2026 का समापन हो चुका है। इस इवेंट से अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने भी अपने अलग–अलग लुक्स के साथ जलवा बिखेरा। एक्ट्रेस की एक और तस्वीर सामने आई है। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल किया जा रहा है। फ्रांस के कान शहर में हुए इस फेस्टिवल में बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय के हर लुक ने काफी सुर्खियां बटोरी। 23 मई को समापन के बाद से फैंस को एक्ट्रेस का कोई लुक सामने आने की उम्मीद नहीं थी। मगर ऐश्वर्या ने अपने एक और लुक की तस्वीर सामने आई तो फैंस को सरप्राइज हो गए। अभिनेत्री ने आइवरी रंग की ड्रेस में नजर आ रही हैं। वह बालकनी में खड़े होकर पोज दे रही हैं। उनकी ड्रेस में बड़े–बड़े फ्रिल्स डिजाइन बने हुए हैं, जो गुलाब की तरह लग रहे हैं। ऐश्वर्या की ड्रेस जितनी खूबसूरत थी उतना ही ग्लैमर उनके मेकअप से भी दिख रहा था। अपनी आइवरी रोज ड्रेस के साथ उन्होंने सबटल मेकअप स्टाइल को चुना। जिसमें स्मोकी आई मेकअप से आंखों और न्यूड लिपस्टिक से होंठों को सजाया। एक्ट्रेस के इस लुक की तुलना फैंस विंटेज हॉलीवुड स्टाइल से कर रहे हैं। कान फेस्टिवल के शुरू होने के बाद से ही फैंस ऐश्वर्या के रेड कारपेट का इंतजार कर रहे थे। मगर उनके कान में शामिल होने की कोई अपडेट सामने नहीं आ रही थी। हालांकि समारोह खत्म होने के कुछ दिन पहले ही अभिनेत्री कान पहुंच गईं। जिसके बाद उनके फैंस में खुशी की लहर देखने को मिली।

क्या हेरा फेरी 3 से फिर पीछे हटे परेश रावल? सवाल किए जाने पर निर्देशक ने दिया यह जवाब

हेरा फेरी 3 को लेकर चल रहा विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा है। फिल्म के राइट्स की चल रही लड़ाई के बीच, खबर आई कि लीड स्टार्स में से एक, परेश रावल ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया है। खबर यह भी थी कि उन्होंने अपना साइनिंग अमाउंट 11 लाख रुपये 15 परसेंट ब्याज के साथ वापस भी कर दिया है। हालांकि परेश ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है। फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने हाल ही में इस मामले पर खुलकर बात की है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, जब उन्होंने फिल्म में परेश रावल के भविष्य के बारे में साफ करने के लिए प्रियदर्शन से संपर्क किया, तो फिल्ममेकर, जो इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त डायरेक्ट करने वाले हैं, ने कहा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। यह पहली बार नहीं है जब परेश के फिल्म छोड़ने की खबर सामने आई है। 2025 में, अक्षय कुमार ने कथित तौर पर फिल्म से परेश रावल के अचानक जाने के बाद उनके खिलाफ 25 करोड़ रुपये का केस किया था। हालांकि, बाद में परेश रावल के प्रोजेक्ट में वापस आने से मामला सुलझ गया था। इससे पहले शुभंकर मिश्रा से बातचीत में अक्षय कुमार ने बताया था कि यह फिल्म अभी नहीं बन रही है। उन्होंने कहा, श्हेरा फेरी 3 अभी फिलहाल तो नहीं बन रही है। मुझे खुद झटका लगा था। कोई बात नहीं, वेलकम बना ली। थोड़ा कुछ मंत्र पढ़ना पड़ेगा कि सब ठीक हो जाए। अभी एक साल तो नहीं हैं। उसके बहुत सारे इश्यू हैं, ऐसा नहीं है कि हम तीनों (एक्टर्स) साथ नहीं हैं। आपको बता दें कि फिल्म हेरा फेरी 3 शुरू से ही लीगल मुश्किल में फंसी हुई है। प्रोडक्शन हाउस सेवन आर्ट्स इंटरनेशनल ने फिल्म के मेकर्स के खिलाफ केस किया, जिसमें दावा किया गया कि साजिद नाडियाडवाला के पास सिर्फ एक फिल्म के रीमेक के राइट्स थे। हालांकि निर्माताओं ने इसका सीक्वल बनाया। पहली फिल्म हेरा फेरी फिल्म, जो 2000 में रिलीज हुई थी, इस पर सेवन आर्ट्स ने आरोप लगाया कि नाडियाडवाला ने 2006 में सीक्वल फिर हेरा फेरी बनाकर और फिर फिल्म के अधिकार अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस के समझौते का उल्लंघन किया।

क्या शाहरुख की किंग का हिस्सा होंगे रणवीर सिंह? तस्वीरें वायरल होने के बाद किए जा रहे ऐसे दावे

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में श्किंगश की शूटिंग की तस्वीरें वायरल हुईं, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। अब खबरें आ रही हैं कि धुरंधर स्टार रणवीर सिंह किंग का हिस्सा होंगे। सोशल मीडिया पर कई फैंस इस बारे में ट्वीट कर रहे हैं। ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, रणवीर जल्द ही अपकमिंग फिल्म किंग में नजर आ सकते हैं। अलग–अलग सोशल मीडिया हैंडल्स पर की गई कुछ अपुष्ट पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म में रणवीर एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। कई पोस्ट के अनुसार रणवीर ने कथित तौर पर लगभग दो हफ्ते पहले इंटरनेशनल शेड्यूल के दौरान किंग के लिए एक खास सीक्वेंस शूट किया है। हालांकि इस प्रोजेक्ट में उनकी भागीदारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक्टर को फिल्म के सेट पर देखा गया। शुरुआत में, सेट पर रणवीर सिंह को देखकर यह माना गया था कि यह उनकी एक निजी यात्रा है। खबरें थीं कि रणवीर अपनी गर्भवती पत्नी दीपिका और एक साल की बेटी दुआ के साथ आए थे। हाल ही में रणवीर को फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ पोज देते हुए भी देखा गया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। किंग के एक फैन हैंडल पर एक पोस्ट के मुताबिक फिल्म में रणवीर का रोल अहम हो सकता है। अफवाहें हैं कि एक्टर एक रहस्यमयी संदेशवाहक का रोल निभाएंगे, जो सुहाना खान को खतरों से बचाएगा। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही किंग को शाहरुख खान का बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। हाल ही में उनकी दो फिल्में जवान और पठान काफी कामयाब रही हैं। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी और कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

शाम की चाय के साथ बनाएं टेस्टी आलू के पकौड़े, बच्चे हो जाएंगे खुश

आलू के पकौड़े एक बहुत लोकप्रिय स्नैक्स रेसिपी है। यह आपको हर जगह खाने को मिल जाएगा। आलू के पकोड़े लोग अक्सर शाम को स्नैक्स में चाय के साथ खाना पसंद करते है। तो चलिए गरम गरम आलू के पकोड़े बारिश के दीनो में बहुत ही स्वादिष्ट लगते है। तो चलिए जानते है इसकी रेसिपी के बारे में।

सामग्री

आलू – 2 आलू

बेसन – 1/2 कप

सूजी –2 चम्मच

अजवाइन –1 चम्मच

धनिया पाउडर – 1 चम्मच

लाल मिर्च पाउडर– 1 चम्मच

हरा धन धनिया – 2 चम्मच (बारीक कटा हुआ)

हरी मिर्च – 1–2

नमक –स्वादानुसार

पानी घोल बनाने के लिए

तेल तलने के लिए

बनाने की विधि

1 आलू के पकौड़े बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में बेसन, सूजी, नमक और पानी डालकर घोल तैयार कर लें।

2 इसके बाद गोलाकार शेप में आलू के स्लाइस काट लें।

3 फिर मीडियम आंच पर एक नॉन–स्टिक पैन में तेल गरम करने के लिए रखें।

4 तेल के गरम होते ही आलू के स्लाइस को घोल में डिप करें और पैन में डालते जाएं।

5 एक साइड से सुनहरा तल जाने के बाद इसे पलटकर दूसरे साइड से भी तल लें।

6 लिजिए तैयार है आपके गरमागरम आलू के पकौड़े।

7 आप इसे चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

कुकिंग में लगता है ज्यादा समय तो टेंशन न लें, अपनाएं ये कुकिंग हैक

महिलाओं का सबसे ज्यादा समय किचन में ही गुजरता है। सुबह से शाम तक घरवालों के लिए कुछ न कुछ नया बनाने के लिए दिन भर मेहनत करती हैं। बता दें कि कई लोगों का खाना बनाने में काफी सारी समय खर्च हो जाता है। इसीलिए आज हम आपको कुछ ऐसे किचन हैक्स के बारे में बताएंगे जिनसे आपका काम आसानी से और कम

समय में खत्म हो जाएगा।

राजमा भिगोना भूल गए तो टेंशन न लें

राजमा बनाने का सोच रहे है तो सबसे पहले उसे अच्छे से धोकर साफ कर लें। इसके बाद एक प्रेशर कुकर में पानी के साथ एक चम्मच नमक डाल दें। जब एक सिटी लग जाए तो प्रेशर कुकर के ठंडे होने का इंतेजार करें और उसमें 1 कप आइस क्यूब डाल दें। इसके बाद दोबारा कुकर में सिटी लगवाएं और फिर गैस स्लो करके 5–7 मिनट तक पकाएं।

चावल उबालते समय नहीं आएगी परेशानी

अगर चावल उबालते समय उनमें बहुत पानी बचा हुआ है तो आप उन्हें गैस पर रखकर 1 पीस ब्रेड डाल दें और ब्रेड को पलट भी दें। इसके बाद आप गैस बंद करके ब्रेड के पीस को कुछ देर चावल में ऐसे ही छोड़ दें। बाद में ब्रेड को निकालकर आप चिली फ्लेक्स डालकर खा भी सकते हैं।

नहीं बदलेगा चटनी का रंग

हमारा हाजमा सही रही इसके लिए हम खाना बनाने का साथ चटनी भी बनाते है। लेकिन कई बार हम बहुत ज्यादा चटनी बनाकर फ्रिज में रख लेते है। जिस कारण उसका रंग काला पडने लगता है। लेकिन आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है। क्योंकि अगर आप चटनी बनाते समय उसमें 1 चम्मच दही डाल दें तो उसका रंग जैसा है वैसा ही रहेगा।

कुकर के ढक्कन में नहीं लगेगी दाल

प्रेशर कुकर में दाल को उबालते समय एक स्टील की छोटी कटोरी उसमें डाल दें। ऐसा करने से दाल उफनेगी नहीं और कुकर की सीटी से सिर्फ स्टीम ही निकलेगी।

हेयर स्पा के बाद न करें ये गलतियां, वरना फिर से डैमेज हो सकते है बाल

हेयर स्पा एक तरह का हेयर ट्रीटमेंट है। जिसमें शेंपू, हेयर क्रीम और हेयर मास्क और कंडीशनर लगाकर आपके बालों की डीप मॉइस्चराइजिंग की जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के साथ बालों के पोर्स को ओपन करने का काम किया जाता है। हेयर स्पा आपके बालों में जान डालने का काम करता है। तो चलिए जानते है हेयर स्पा के बाद हमें किन चीजों का ख्याल रखना चाहिए।

बार बार बाल न धोएं

हेयर स्पा करवाने के बाद ध्यान रहे 3 दिन तक बालों को वॉश न करें। आगर आप हेयर स्पा के बाद बालों को वॉश करती है तो आपको इस ट्रीटमेंट का कोई लाभ नहीं होगा।

हेयर स्टाइलिंग्स टूल्स

हेयर स्पा के बाद हेयर स्टाइलिंग टूल्स का प्रयोग बिलकूल भी न करें। क्योंकि यह टूल्स आपके बालों को फिर से डैमेज कर देंगे। इसलिए कुछ समय तक बालों को सुखाने और स्ट्रेट करने के लिए ब्लो ड्रायर और स्ट्रेटनर के उपयोग न करें। अगर बहुत मजबूरी हो तो बालों में पहले एलोवेरा जेल, सीरम को लगाकर इसका प्रयोग करें।

तेल और पैक न लगाएं

इस ट्रीटमेंट के बाद बालों में तेल, हेयर पैक और मास्क लगाने से बचे। बता दें कि हेयर स्पा के दौरान बालों में तेल लगाकर बालों को डीप कंडीशन किया जाता है। इसलिए इन चीजों से कुछ दिनों तक दूरी बना लें।

हेयर स्पा के बाद ये काम करें

हेयर स्पा के बाद बालों को धूल, मिट्टी और गंदगी से बचाए रखना जरूरी है नहीं तो आपके बाल जैसे पहले थे वैसे हो जाएंगे। ध्यान रहे हेयर स्पा के बाद बालों को किसी स्कार्फ से कवर करके रखें। इसे साथ ही बालों को अल्ट्रावॉयलेट रेज भी बचाना जरूरी है, ताकि बालों की शाइन बन रहे।

सही कंघी का करें इस्तेमाल

हेयर स्पा के दौरान बाल मुलायम हो जाते हैं। इसलिए बालों में सही कंघी का इस्तेमाल करना जरूरी है। हेयर स्पा के बाद आपको अपने बालों को कंघी करने के लिए चौड़ी दांत वाली कंघी का इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके बालों को टूटने से बचाएगा।

शैंपू का करें उपयोग

बालों को वॉश करने के लिए बालों में शैंपू को डायल्यूट करके लगाएं। बालों में डायरेक्ट शैंपू के इस्तेमाल से बाल ड्राई और डैमेज हो सकते हैं। इसलिए शैंपू में पानी मिलाएं और फिर देखें कि आपके बाल कितने अच्छे हो जाएंगे।

कंडीशनर का इस्तेमाल करना न भूलें

आपको अपने हेयर केयर रूटीन में कंडीशनर को शामिल करना चाहिए। इसके उपयोग से आपके बाल स्मूथ के साथ साथ शाइनी भी रहेंगे। खासतौर पर हेयर स्पा के बाद बालों में कंडीशनर लगाना बेहद जरुरी है। ऐसा करने से स्पा का असर लंबे समय तक नजर आएगा।

प्रेगनेंसी में हाई ब्लड प्रेशर शिशु के विकास के लिए बन सकता है खतरे का कारण!

हाई ब्लडप्रेशर या हाइपरटेंशन का खतरा प्रेग्नेंट महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलता है इसके अलग–अलग कारण हो सकते हैं जैसे– फैमिली हिस्ट्री, तनाव, गलत खानपान और लाइफ स्टाइल आदि। लेकिन इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। प्रेग्नेंसी में हाइपरटेंशन को प्री–एक्लेम्प्सिया भी कहा जाता है। जोकि आमतौर पर गर्भवती महिला में गर्भावस्था के 20वें सप्ताह के बाद शुरू हो सकती है। बता दें कि यह मां और बच्चे दोनों के लिए ही एक गंभीर स्थिति का कारण बन सकती है। तो चलिए जानते है प्रेग्नेंसी में हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण कैसे नजर आते हैं जो शिशु के लिए खतरनाक साबित हो सकते है।

गर्भावस्था में हाई ब्लड प्रेशर क्यों होता है

डॉक्टरों का कहना है कि अगर आपको प्रेग्नेंसी में हाइपरटेंशन की समस्या लगभग 7 से 8 प्रतिशत तक होती है। बहुत कम उम्र या अधिक उम्र में मां बनने के कारण ब्लड प्रेशर हाई हो सकती है। इसके अलावा गर्भ में तीन या चार बच्चे होने से भी हाइपरटेंशन की समस्या बढ़ जाती है। किसी महिला को पहले से ही किडनी संबंधित कोई रोग हो, तो उसे भी उच्च रक्तचाप होने की समस्या बढ़ सकती है। साथ ही जिन महिलाओं को पहली प्रेग्नेंसी में हाइपरटेंशन की समस्या हुई थी, उस केस में भी 25 प्रतिशत संभावना होती है कि दूसरी प्रेग्नेंसी में भी यह समस्या डेवलप हो जाए। यदि पहले से ही किसी का रक्तचाप ज्यादा है तो गर्भावस्था में यह और भी अधिक बढ़ सकता है।

गर्भ में पल रहे शिशु को नुकसान

हाइपरटेंशन की वजह से गर्भ में पल रहे शिशु का शारीरिक विकास सही ढंग से नहीं होता और ब्लड सप्लाई कम हो जाती है। ऐसे बच्चों का वजन भी जन्म के समय कम होता है. प्रॉपर विकास नहीं हो पाता है। कई बार अधि क हाई बीपी होने पर डिलीवरी जल्दी करने की नौबत आ जाती है। ऐसे में वजन कम होने और समय से पूर्व डिलीवरी करने के कारण बच्चे को नवजात गहन चिकित्सा इकाई या एनआईसीयू में भेजने की संभावना बढ़ जाती है। डॉक्टरों ने बताया कि प्रेग्नेंसी में हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर होने को जैस्टेशनल हाइपरटेंशन भी कहते है।

प्रेग्नेंसी में हाइपरटेंशन के कारण

1 ब्लड प्रेशर नॉर्मल से ज्यादा होना।

2 बार–बार सिर में दर्द होने लगना।

3 धुंधला दिखाई देना, आंखों से संबंधित समस्या।

4 एसिडिटी की तरह पेट में दर्द होना।

5 कम समय में अधिक वजन बढ़ जाना।

6 शरीर में अधिक सूजन होना।

लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां रहेगी कोसो दूर अगर रोजाना चल लिए इतने कदम

आलस्य, खराब लाइफस्टाइल कई तरह की बीमारियों का कारण बना हुआ हैं। वहीं इन सब बीमारियों से बचने के लिए एक्सपर्ट्स रोजाना एक्सरसाइज और वॉक करने की सलाह देते हैं। खासकर रोजाना वॉक करने से वजन कम होता है इसके अलावा आपका दिल और दिमाग भी एकदम हैल्दी रहता है। वहीं कई अध्ययनों की मानें तो चलने से हाई ब्लड प्रेशर, शरीर का वजन, कोलेस्ट्रॉल, डिप्रेशन और कई समस्याएं दूर होती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं इसके अलावा भी पैदल चलने से क्या–क्या फायदे होंगे...

कितने कदम चलने से होंगे फायदे

इसके अलावा कई सारे अध्ययन सुझाव देते हैं कि 10,000 कदम चलने से कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य में सुधाार होता है डिमेंशिया और कैंसर जैसी समस्याओं का जोखिम भी कम होता है। रोजाना 10,000 कदम तो लोग चलते हैं लेकिन आप इससे कम भी कदम चलकर भी फिट रह सकते हैं। मान्यताओं के अनुसार, 3800 कदम चलने से आप कई तरह की बीमारियों के जोखिम कम कर सकते हैं। वहीं हाल ही में हुए अध्ययन के अनुसार, जो लोग रोज 7,000 कदम चलते हैं उन लोगों को बाकी लोगों की तुलना में मौत का खतरा कम होता है। वहीं फिटनेस एक्सपर्ट्स की मानें तो आपको रोज कितने नंबर ऑफ स्टेप्स चलना है यह आपके डेली एक्टिविटी लेवल पर निर्भर करता है।

इतने कदम चलना रहेगा फायदेमंद

माना जाता है कि दिन में 10,000 कदम चलना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है परंतु वहीं एक्सपर्ट्स की मानें तो काम करना या आगे बढ़ने का आप एक स्थायी तरीका ढूंढे यदि आप पूरे दिन में एक्टिव हैं और रोजाना 10,000 कदम चलते हैं लेकिन उतना ही कूदते हैं तो आपके शरीर को भी नुकसान होगा । ऐसे

में शरीर को चलाते रहे। इसके अलावा अपना मूवमेंट प्लान तय करें। इसके अलावा सीढ़ियां चढ़ना, ड्राइविंग करना, अपने डॉग के साथ घूमने जाना, ड्राइव की जगह पैदल चलता यह सब वैसे तरीके हैं जिनके जरिए आप अपनी बॉडी को एक्टिव रख सकते हैं।

धीरे–धीरे डालें आदत

रोजाना कम से कम 10,000 कदम चलना जितना फायदेमंद होता है उतना ही शारीरिक गतिविधि करना है। खासकर बिना किसी हलचल के आप अपनी बॉडी को एक्टिव रख सकते हैं। वहीं अध्ययनों की मानें तो रोजाना व्यक्ति 5,000 से 7500 कदम जरुर चलता है भले ही वह कैसा लाइफस्टाइल क्यों न जी रहा है। इसके अलावा धीरे–धीरे आप अपने कदम बढ़ा सकते हैं। आप अपनी डेली रुटीन में कम से कम 30 मिनट पैदल चलने की आदत जोड़ सकते हैं इससे आप 3,000 से 4,000 कदम जुड़ सकते हैं जिससे आप धीरे–धीरे 10,000 कदम के लक्ष्य के पास

भी आ सकते हैं।

इतने कदम चलना जरुरी

वहीं यदि आप लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों को दूर रखना चाहते हैं तो दिन में कम से कम 2000–2200 कदम चलें। वहीं बूढ़े लोगों के लिए 2000 कदम चलना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। वहीं एक शोध की मानें तो हर 30 मिनट के बैठने के बाद 5 मिनट पैदल चलने से लंबे समय तक बैठे रहने के हानिकारक प्रभाव को कम किया जा सकता है। इससे ब्लड शुगर लेवल, थकान कम करने और मूड अच्छा बेहतर बनाने में मदद करता है। हर 30 मिनट में 5 मिनट चलना बहुत कम लग सकता है लेकिन जब आप पूरे दिन में 5 मिनट जोड़ेंगे तो आप 40 मिनट तक आसानी से चल लेंगे वहीं औसतन 4000 कदम चलते हैं।

कैसे डालें पैदल चलने की आदत?

हर 30 मिनट में सिर्फ 5 मिनट चलने के लिए अपने फोन में एक रिमांडर सेट कर लें। इसके अलावा यदि आपके पास कोई ट्रेडमिल या क्रॉस ट्रेनर है तो आप इसे अपने वर्कस्टेशन के पास रख सकते हैं। ऐसे में आप हर 30 मिनट में इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

संक्षिप्त

जब कपिल देव ने खरीदा चोरी का जैकेट, पुलिस के डर से भागते हुए पहुंचे होटल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने दिल्ली में आयोजित एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान अपने जीवन से जुड़ा एक मजेदार और दिलचस्प किस्सा साझा किया। यह किस्सा उस समय का है जब वह अपने दोस्त और पूर्व नौसेना अधिकारी हरविंदर सिंह सिक्का के साथ लंदन गए थे। कपिल देव ने बताया कि लंदन की सड़क पर एक व्यक्ति उनसे मिला और उसने 50 पाउंड की मदद मांगी। बदले में वह अपने पास मौजूद दो लेदर जैकेट देने की पेशकश करने लगा। कपिल को शुरुआत से ही शक था कि जैकेट चोरी के हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह लगातार हरविंदर सिंह सिक्का को इशारे से मना कर रहे थे, लेकिन सिक्का उस व्यक्ति की मदद करना चाहते थे। आखिरकार दोनों ने 50 पाउंड देकर जैकेट खरीद लिया। कपिल देव ने हंसते हुए बताया कि जैकेट खरीदने के बाद सिक्का काफी खुश थे और बार–बार कह रहे थे कि "जैकेट सच में असली लेदर का है।" लेकिन दूसरी तरफ कपिल लगातार डरे हुए थे। उन्हें लग रहा था कि कहीं पुलिस उन्हें पकड़ न ले। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह पूरे रास्ते सिर्फ यही बोलते रहे कि "जल्दी होटल पहुंचो।" दोनों डरते–डरते होटल पहुंचे क्योंकि उन्हें गिरफ्तारी का डर सता रहा था। कपिल देव ने यह किस्सा नई दिल्ली में हरविंदर सिंह सिक्का की नई स्पाई थ्रिलर किताब 'द चाबी मास्टर' के विमोचन कार्यक्रम के दौरान सुनाया।कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस मनमोहन, पूर्व क्रिकेटर कपिल देव, फिल्म निर्देशक बोनी कपूर, लेखक शिव खेड़ा और जय मदान समेत कई लोग मौजूद रहे। इस दौरान कपिल देव ने बच्चों की रीलबाजी पर चिंता जताई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत सी अच्छी पुस्तकें आ रहीं हैं, लेकिन आज की युवा पीढ़ी पढ़ना भूल चुकी है। युवा रीलबाजी के चक्कर में पड़ी हुई है। पैरेंट्स को इन्हें किताबों के लिए प्रेरित करना चाहिए। 'द चाबी मास्टर' में हरविंदर सिंह सिक्का ने अपने नौसेना जीवन के अनुभवों और खुफिया दुनिया की झलक को साझा किया है। सिक्का इससे पहले अपने चर्चित उपन्यास कॉलिंग सहमत के लिए चर्चा में रहे हैं, जिस पर फिल्म राजी बनी है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिक्का ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए कई ऐसे अनसुने लोग काम करते हैं, जिनका योगदान सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ पाता। उन्होंने बताया कि 'द चाबी मास्टर' ऐसे ही एक गुमनाम रॉ अधिकारी की कहानी है, जिसमें वास्तविक खुफिया अनुभवों और गुप्त अभियानों से प्रेरित घटनाएं शामिल हैं। फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने कहा कि जिस तरह 'राजी' दर्शकों के बीच सफल रही थी, उसी तरह 'द चाबी मास्टर' में भी बड़े पर्दे पर सफल फिल्म बनने की क्षमता है। समारोह के दौरान सिक्का ने नौसेना में अपने कार्यकाल और खुफिया अभियानों से जुड़े कई अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि इस उपन्यास में रहस्य, रणनीति, देशभक्ति और मानवीय संवेदनाओं के साथ खुफिया अधिकारियों के सामने आने वाली नैतिक चुनौतियों को भी दिखाने की कोशिश की गई है। अपने संबोधन में नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय नौसेना अपने अधिकारियों को कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने और मानसिक मजबूती के लिए तैयार करती है। उन्होंने कहा कि यही प्रशिक्षण आगे जाकर खुफिया अभियानों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

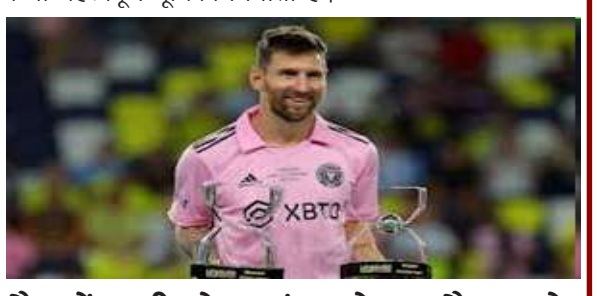

पैर में लगी चोट, लंगड़ाते हुए मैदान से गए बाहर, फैंस की बढ़ी टेंशन

मियामी,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने में अब दो सप्ताह (लगभग 18 दिन) से भी कम समय बचा है और ऐसे में अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनल मेसी की फिटनेस ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इंटर मियामी के कप्तान मेसी शनिवार रात फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ मुकाबले के दौरान अचानक मैदान से बाहर चले गए, जिसके बाद अर्जेंटीना के प्रशंसकों की धड़कनें बढ़ गईं। इंटर मियामी ने फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 6–4 से जीत दर्ज की, लेकिन मैच का सबसे बड़ा चर्चा का विषय मेसी का मैदान छोड़ना रहा। मैच के 73वें मिनट में मेसी ने खुद बेंच की ओर इशारा किया और उन्हें तुरंत बाहर बुला लिया गया। इसके बाद उन्हें मातेओ सिल्वेट्टी की जगह मैदान से बाहर जाते देखा गया। मेसी सीधे ड्रेसिंग रूम की ओर चले गए, जिससे संभावित मांसपेशियों की चोट की अटकलें तेज हो गईं। 38 वर्षीय मेसी अर्जेंटीना टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं और वर्ल्ड कप से ठीक पहले उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की चिंता पूरे देश के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है। हालांकि मैच के बाद इंटर मियामी के कोच गुलेरमो होयोस ने स्थिति को ज्यादा गंभीर नहीं बताया। उन्होंने कहा, जहां तक मुझे जानकारी है, अभी तक कोई मेडिकल रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन वह काफी थके हुए थे। यह सिर्फ थकान थी। उन्होंने आगे कहा, श्हां, यह थकान थी। मैदान भारी था और वह थक गए थे। ऐसे समय में जोखिम लेने से बचना बेहतर होता है। कोच ने यह भी स्वीकार किया कि मैच खत्म होने के बाद उनकी मेसी से बात नहीं हो पाई थी। अर्जेंटीना अपना वर्ल्ड कप अभियान 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ शुरू करेगा। टीम की कप्तानी एक बार फिर मेसी के हाथों में रहने की उम्मीद है। उनके साथ इंटर मियामी के साथी खिलाड़ी रोड्रीगो डी पॉल भी टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि मेसी ने अभी तक आधिकारिक रूप से यह पुष्टि नहीं की है कि वह अपने करियर का छठा वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, लेकिन माना जा रहा है कि वह टीम का नेतृत्व जरूर करेंगे। फिलहाल अर्जेंटीना और फुटबॉल जगत के करोड़ों प्रशंसक मेसी की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

जिन टीमों को प्लेऑफ के लिए चुना, उनमें से अधिकतर हुई बाहर

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 में प्लेऑफ में पहुंची टीमों का फैसला हो गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने अंतिम–चार में जगह बनाई। अब 26 मई से प्लेऑफ राउंड की शुरुआत होगी। हालांकि, इस सीजन में एक बात जो चौंकाने वाली रही है, वह यह है कि लगभग सभी क्रिकेट पंडितों की भविष्यवाणी गलत साबित हुई है। सीजन शुरू होने से पहले, 14 क्रिकेट पंडितों ने प्लेऑफ के लिए भविष्यवाणी की थी, लेकिन हर किसी की चुनी हुई टीमों में से दो या तीन टीमें लीग राउंड से ही बाहर हो गईं। आइए जानते हैं किस क्रिकेट पंडित ने कौन सी टीमें चुनी थीं।

संजय बांगड़ ने आरसीबी, पंजाब, मुंबई और दिल्ली को प्लेऑफ का दावेदार बताया था। पर इनमें से पंजाब, मुंबई और दिल्ली बाहर हो गईं और सिर्फ आरसीबी प्लेऑफ में पहुंच पाई।

पीयूष चावला ने मुंबई, पंजाब, आरसीबी और केकेआर को प्लेऑफ का दावेदार बताया था। हालांकि, इनमें से केवल आरसीबी ही प्लेऑफ में जगह बना पाई।

अभिनव मुकुंद ने पंजाब, आरसीबी, मुंबई और दिल्ली को प्लेऑफ का दावेदार बताया था, लेकिन इनमें से सिर्फ आरसीबी ही प्लेऑफ में जगह बना पाई।

इयान बिशप ने मुंबई, सीएसके, आरसीबी और पंजाब को प्लेऑफ का दावेदार बताया था। हालांकि, इनमें से सिर्फ आरसीबी ही प्लेऑफ में जा पाई।

फाफ डुप्लेसिस ने मुंबई, आरसीबी, पंजाब और चेन्नई को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार बताया था, लेकिन इनमें से सिर्फ आरसीबी ही प्लेऑफ में पहुंच पाई।

अंबाती रायुडू ने आरसीबी, मुंबई, लखनऊ और केकेआर को प्लेऑफ का दावेदार बताया था। हालांकि, इनमें से सिर्फ आरसीबी ही अंतिम–चार में जगह बना पाई।

एरॉन फिंच ने आरसीबी, मुंबई, पंजाब और सनराइजर्स को प्लेऑफ का दावेदार बताया था। इनमें से सनराइजर्स और आरसीबी प्लेऑफ में पहुंची है।

चेतेश्वर पुजारा ने गुजरात, सीएसके, केकेआर और मुंबई को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार बताया था। इनमें से केवल गुजरात ही प्लेऑफ में पहुंच पाई।

आकाश चोपड़ा ने मुंबई, दिल्ली, आरसीबी और पंजाब को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार बताया था। हालांकि, इनमें से केवल आरसीबी ही प्लेऑफ में जगह बना पाई।

मोहम्मद कैफ ने पंजाब, दिल्ली, मुंबई और आरसीबी को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार बताया था। इनमें से सिर्फ आरसीबी ही अंतिम–चार में जगह बना सकी।

इरफान पठान ने मुंबई, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान को प्लेऑफ का दावेदार बताया था। इनमें से मुंबई, दिल्ली और पंजाब बाहर हो गईं और सिर्फ राजस्थान ही आखिरी दिन प्लेऑफ में जगह बना सकी।

लक्ष्मीपति बालाजी ने चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार बताया था। हालांकि, इनमें से आरसीबी और सनराइजर्स ही प्लेऑफ में पहुंच पाई।

हरभजन सिंह ने मुंबई, सनराइजर्स, पंजाब और आरसीबी को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार बताया था। इनमें से केवल सनराइजर्स और आरसीबी ही प्लेऑफ में पहुंच पाई।

यानी केवल हरभजन, बालाजी और फिंच ही ऐसे दिग्गज हैं, जिनकी भविष्यवाणी की हुई दो टीमें प्लेऑफ में पहुंची हैं। बाकियों की एक–एक टीम प्लेऑफ में पहुंची। इस सीजन कई टीमें चोट से भी जूझती रही हैं। आखिरी दिन तक प्लेऑफ की चार टीमें तय नहीं हो पाई थीं। तीन टीमों के बाद चौथी टीम का फैसला रविवार को राजस्थान और मुंबई के बीच मैच के बाद हुआ। आरसीबी इस सीजन खिताब बचाने उतरेगी, वहीं राजस्थान, सनराइजर्स और गुजरात की नजरें दूसरी बार खिताब जीतने पर होंगी।

देश के लिए रिकॉर्ड बनाया, फिर ई-रिक्शा पर पोल ढोते दिखे स्टार्स, भारतीय खिलाड़ियों की हालत पर उठे सवाल

रांची,एजेंसी। भारतीय एथलेटिक्स के लिए रविवार का दिन ऐतिहासिक रहा। देव कुमार मीणा और कुलदीप कुमार ने रांची में आयोजित फेडरेशन कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष पोल वॉल्ट में संयुक्त राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। दोनों खिलाड़ियों ने 5.45 मीटर की ऊंचाई पार कर भारतीय एथलेटिक्स इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया, लेकिन इस ऐतिहासिक उपलब्धि के कुछ ही घंटों बाद सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो ने खेल जगत को झकझोर दिया। राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले यही खिलाड़ी अपने पांच मीटर लंबे पोल ई–रिक्शा में लादकर खुद ले जाते दिखाई दिए। वीडियो में दोनों एथलीट एक छोटे से ई–रिक्शा में तंग जगह पर बैठे नजर आए, जबकि उनके लंबे फाइबरग्लास पोल बाहर तक निकले हुए थे। सोशल मीडिया पर यह दृश्य तेजी से वायरल हो गया और लोगों ने भारतीय खेल व्यवस्था पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। पोल वॉल्ट ऐसा खेल है जिसमें इस्तेमाल होने वाले उपकरण बेहद महंगे, भारी और संवेदनशील होते हैं। इसके बावजूद देश के शीर्ष खिलाड़ियों को अपना सामान खुद ढोना पड़ा। कई लोगों ने इसे खिलाड़ियों के सम्मान और सुविधाओं की बड़ी कमी बताया। यह पहली बार नहीं है जब देव और कुलदीप को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा हो।

इसी साल दोनों खिलाड़ी ऑल इंडिया इंटर–यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप से लौटते समय ट्रेन में भी परेशानी झेल चुके हैं। पनवेल स्टेशन पर टिकट चेकर ने उन्हें पोल के साथ यात्रा करने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों को ट्रेन से नीचे उतरना पड़ा और करीब पांच घंटे तक स्टेशन पर इंतजार करना पड़ा। उस समय देव मीणा ने भावुक वीडियो जारी कर सवाल उठाया था कि अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी इस तरह परेशान किए जा सकते हैं तो जूनियर खिलाड़ियों की स्थिति कैसी होगी। रांची में हुआ पुरुष पोल वॉल्ट फाइनल भारतीय एथलेटिक्स के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक माना जा रहा है। मुकाबले के दौरान राष्ट्रीय रिकॉर्ड एक ही शाम में दो बार टूटा। कुलदीप कुमार इससे पहले 5.41 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ मैदान में उतरे थे, जो उन्होंने इसी महीने भुवनेश्वर में बनाया था। लेकिन रांची में देव मीणा ने पहले 5.42 मीटर की छलांग लगाकर नया रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद कुलदीप ने 5.45 मीटर पार कर जवाब दिया। माहौल तब और रोमांचक हो गया जब देव मीणा ने भी 5.45 मीटर की छलांग पूरी कर ली। कम असफल प्रयासों की वजह से देव को स्वर्ण पदक मिला, लेकिन दोनों संयुक्त राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक बन गए। दोनों खिलाड़ियों ने इसके बाद 5.50 मीटर की चुनौती भी लेने की कोशिश की।

एथलीट आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए तय 5.25 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क को पहले ही पार कर चुके हैं। ऐसे में उनसे भविष्य में और बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। लेकिन यह घटना एक बार फिर दिखाती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने के लिए सिर्फ खिलाड़ियों की मेहनत काफी नहीं होती। उन्हें बेहतर सुविधाएं, सम्मान और बुनियादी समर्थन भी चाहिए। भारत के खिलाड़ी लगातार रिकॉर्ड बना रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या देश की खेल व्यवस्था उनके स्तर के मुताबिक तैयार हो पाई है?

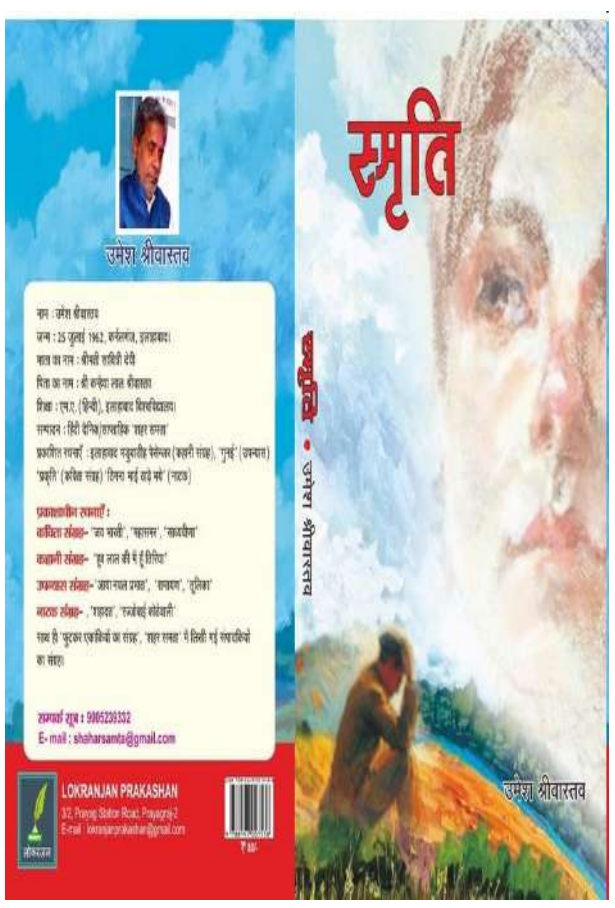

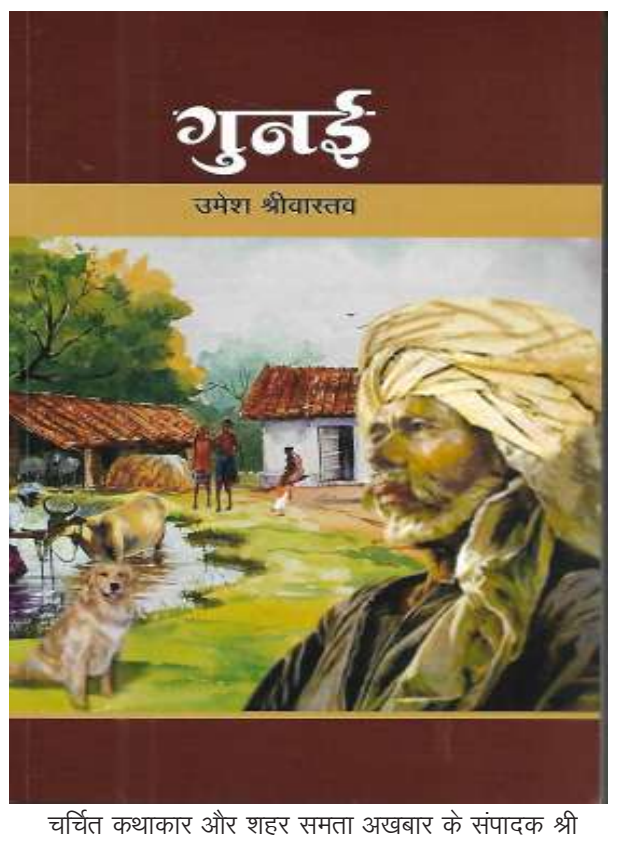

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

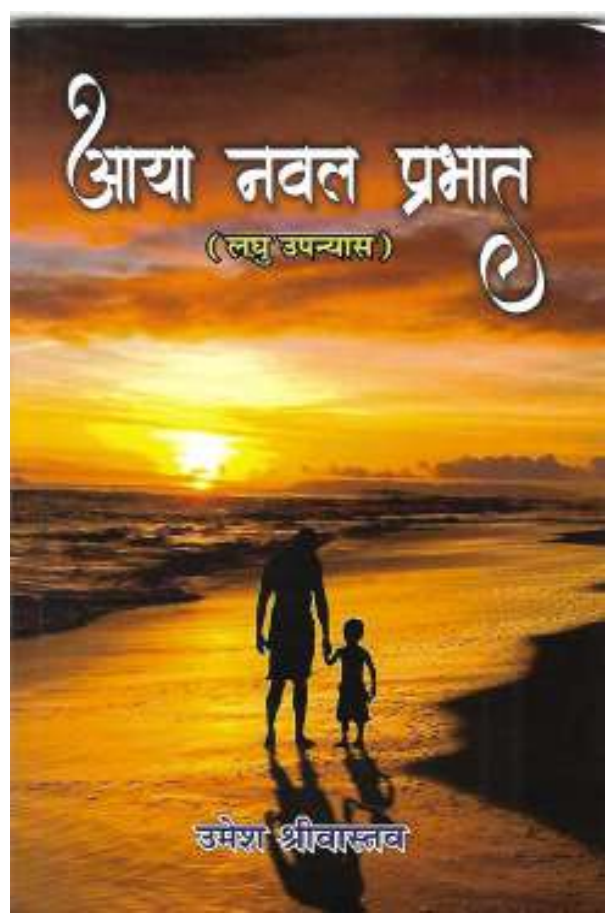

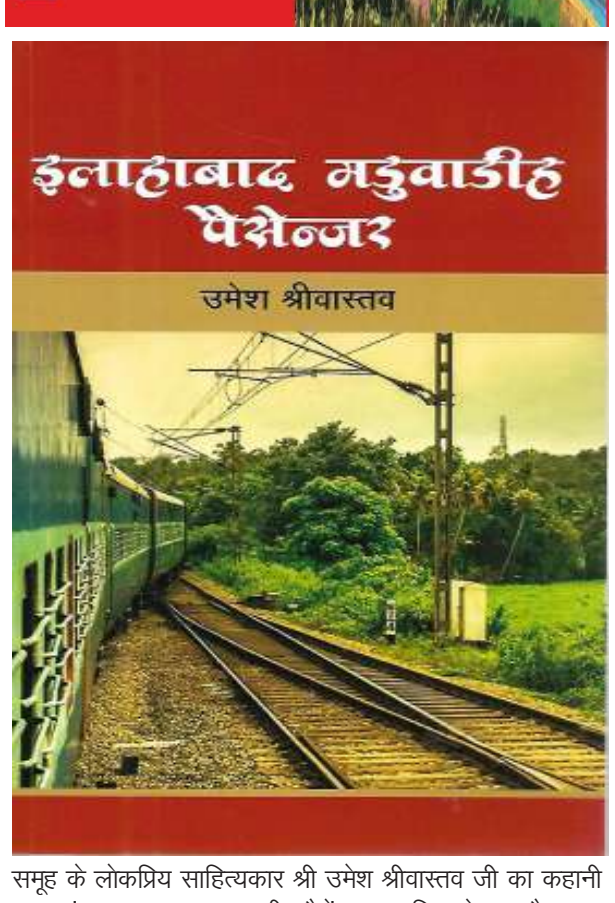

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

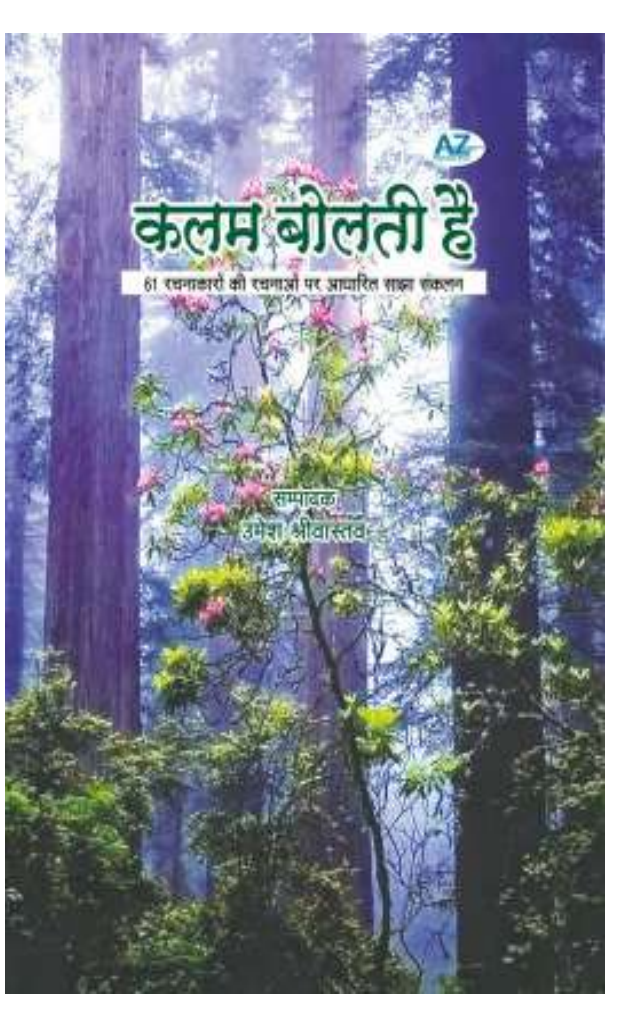

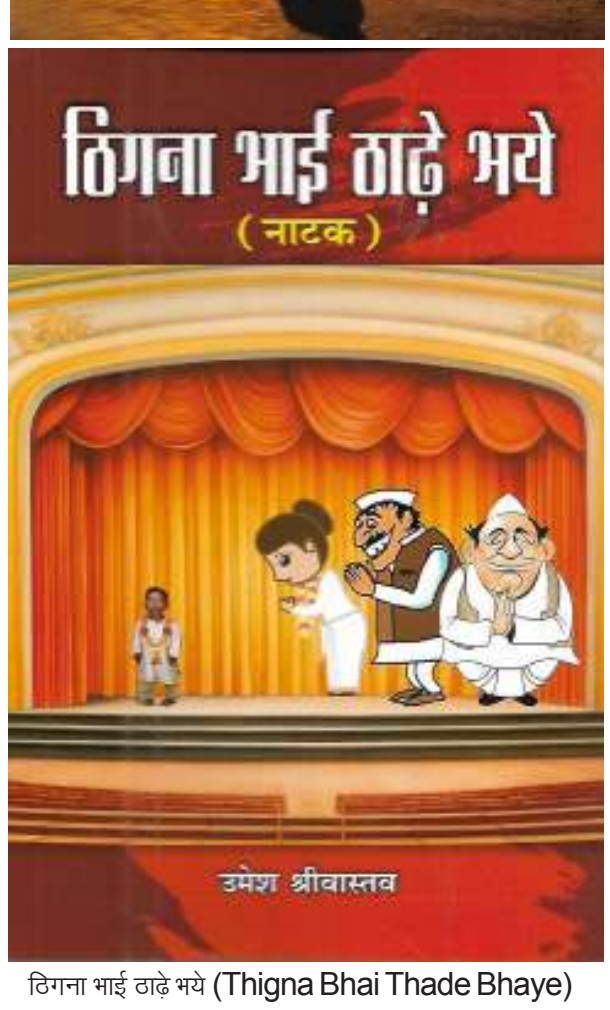

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

परमाणु निरस्त्रीकरण की कोशिशें नाकाम: अमेरिका की चेतावनी- ईरान पर आंखें मूंद रहीं दुनिया, हिज्बुल्ला की धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) समीक्षा सम्मेलन 2026 किसी अंतिम सहमति के बिना समाप्त हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस विफलता पर गहरा दुख जताया है। अमेरिका ने कुछ सदस्य देशों की कड़ी आलोचना की है। उसका कहना है कि ये देश वैश्विक परमाणु सुरक्षा के

लिए ईरान के खतरे को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में यह सम्मेलन आयोजित हुआ था। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक प्रतिनिधि किसी अंतिम दस्तावेज पर मुहर नहीं लगा सके। ईरान के रवैये पर अमेरिका सख्त अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईरान की परमाणु गतिविधियों पर चिंता जताई है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईऐईए) के नियमों का उल्लंघन कर रहा है। वह बिना किसी ठोस नागरिक कारण के अपनी परमाणु गतिविधियों को लगातार तेज कर रहा है। अमेरिका ने साफ–साफ कहा कि अगर एनपीटी को प्रासंगिक बनाए रखना है, तो सदस्य देश ईरान के इस रवैये से अपनी आंखें नहीं मूंद सकते। नियमों का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेही से बचने की छूट नहीं दी जा सकती। एनपीटी के भविष्य पर मंडराया संकट सम्मेलन के अध यक्ष डो हंग विएत ने बैठक में किसी भी आम सहमति के न बन पाने की पुष्टि की। यह लगातार तीसरी बार है जब पांच साल में होने वाला यह सम्मेलन बिना किसी ठोस नतीजे के खत्म हुआ है। पिछले 16 वर्षों से इस संधि के नियमों को मजबूत करने की कोई कोशिश सफल नहीं हुई है। अब अगला समीक्षा सम्मेलन सीधे 2031 में होगा। संयुक्त राष्ट्र की निरस्त्रीकरण प्रमुख इजुमी नाकामित्सु ने भी इस विफलता को बेहद गंभीर बताया है। लेबनान में हिजबुल्ला की नई चुनौती इस वैश्विक परमाणु विवाद के बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने लेबनान संकट पर बड़ा बयान दिया है। अमेरिका ने हिजबुल्ला की ओर से लेबनान की लोकतांत्रिक सरकार को गिराने की कोशिशों की कड़े शब्दों में निंदा की है। रूबियो ने कहा कि हिजबुल्ला लगातार युद्धविराम के प्रस्तावों को ठुकरा रहा है। वह दक्षिणी लेबनान में लड़ाके और हथियार भेजकर इस्राइल पर हमले कर रहा है। अमेरिका ने कहा है कि वह लेबनान की वैध सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है और किसी आतंकी संगठन को पूरे देश को बंधक बनाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

भारतीयों शादियों से कमाना चाह रहा नेपाल, पूर्व वित्त मंत्री ने सोने के गहनों पर टैक्स हटाने की मांग की

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने भारत से आने वाले पर्यटकों को लेकर बड़ा सुझाव दिया है। उन्होंने नेपाल सरकार से मांग की कि भारतीय नागरिकों के सोने के गहनों पर लगने वाला टैक्स खत्म किया जाए। पांडे का

कहना है कि अगर सरकार यह कदम उठाती है तो नेपाल को शादी समारोहों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े देशों से आने वाले पर्यटकों के जरिए नेपाल अपनी पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सकता है। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन पहले से ही बड़ी भूमिका निभाता है और विदेशी मुद्रा कमाने का यह अहम जरिया माना जाता है। भारतीय पर्यटकों को लेकर सुरेंद्र पांडे ने क्या सुझाव दिया? काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नेपाल सरकार को बाजार को ज्यादा आजादी देनी चाहिए और जरूरत से ज्यादा नियम–कानून लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सख्त नियमों से अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती। पांडे ने खास तौर पर भारतीय नागरिकों का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल को शादी डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने की बड़ी संभावना है। लेकिन इसके लिए भारतीय मेहमानों द्वारा पहने जाने वाले सोने के गहनों पर टैक्स में राहत देना जरूरी होगा। उनका मानना है कि इससे भारतीय परिवार नेपाल में शादी समारोह आयोजित करने के लिए ज्यादा आकर्षित होंगे। नेपाल में सोने के गहनों को लेकर क्या नियम हैं? फिलहाल नेपाल में हवाई मार्ग से आने वाले विदेशी यात्रियों को 50 ग्राम तक सोने के गहने और 100 ग्राम तक चांदी के गहने बिना कस्टम ड्यूटी के लाने की अनुमति है। हालांकि यह शर्त होती है कि यात्रा पूरी होने के बाद उन्हें वापस ले जाया जाए। भारतीय दूतावास के मुताबिक यह छूट सिर्फ निजी इस्तेमाल के लिए लागू होती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

केमिकल टैंक में ब्लास्ट का खतरा: 50 हजार से ज्यादा लोगों का विस्थापन, जहरीली गैस के खौफ से सहमा कैलिफोर्निया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक बड़ा हादसा रोकने के लिए अधिकारी दिन–रात एक कर रहे हैं। यहां एक फैक्ट्री में केमिकल का टैंक खराब हो गया है। इस टैंक से खतरनाक गैस निकल रही है, जिसके डर से हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर जाना पड़ा है। गार्डन ग्रोव शहर की जीकेएन एयरोस्पेस फैक्ट्री के एक टैंक में करीब 22,713 से 26,498 लीटर शमिथाइल मेथाक्राइलेटश नाम का केमिकल भरा है। पिछले हफ्ते यह टैंक अचानक बहुत ज्यादा गर्म हो गया और इससे जहरीली गैस हवा में फैलने लगी। अधिकारियों का कहना है कि अगर टैंक का तापमान कम नहीं हुआ, तो या तो सारा केमिकल बाहर बह जाएगा या फिर टैंक बम की तरह फट जाएगा। इस वीकेंड पर सुरक्षा के लिए 50,000 से ज्यादा लोगों को इलाका खाली करने को कहा गया है। अच्छी बात यह है कि अभी तक कोई घायल नहीं हुआ है। दमकलकर्मी टैंक पर लगातार पानी डालकर उसे ठंडा कर रहे हैं। क्यों खतरनाक है यह केमिकल? यह केमिकल एक ऐसा लिक्विड है जिसमें आसानी से आग लग जाती है और इसका कोई रंग नहीं होता। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक और नकली दांत बनाने में होता है। सरकार ने इसे बेहद खतरनाक माना है। पर्यावरण एजेंसी ईपीए के मुताबिक, इसकी गैस से आंख, नाक और फेफड़ों में तेज जलन होती है। ज्यादा मात्रा में यह गैस शरीर में जाए तो चक्कर आने लगते हैं, याददाश्त पर असर पड़ता है और सांस लेने में दिक्कत होती है। हालांकि, राहत की बात है कि अभी हवा में प्रदूषण का स्तर सामान्य है। टैंक में क्या खराबी आई है?

इस मुसीबत की वजह यह है कि टैंक का ड्रेनेज वाल्व यानी केमिकल निकालने वाला रास्ता खराब हो गया है। अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तो बड़ा केमिकल स्पिल होगा या फिर धमाका हो जाएगा। दमकल विभाग टैंक के तापमान को 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने में जुटा है ताकि अंदर दबाव न बने। ईपीए चीफ ली जेल्डिन ने कहा कि सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि केमिकल को थोड़ी–थोड़ी मात्रा में खुद ही बाहर निकलने दिया जाए, ताकि अधिकारी उसे काबू में कर सकें। अगर धमाका हुआ तो क्या होगा? अगर टैंक का तापमान बढ़ा, तो अंदर का लिक्विड केमिकल गैस बन जाएगा। गैस बनने से दबाव बढ़ेगा और टैंक फट सकता है। इससे आसपास के दूसरे टैंकों में भी आग लग सकती है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रेजिना ने बताया कि धमाका होने पर यह जहरीली गैस दूर–दूर तक फैल जाएगी। इससे लोगों के गले में खराश, आंखों में जलन और चक्कर आने जैसी समस्याएं होंगी। डिजनीलैंड के दो पार्क इस खतरे के दायरे से बाहर हैं, इसलिए वहां के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि टैंक में एक हल्की दरार दिख रही है। केमिस्ट्री के प्रोफेसर एलियास पिकाजो ने बताया कि यह दरार एक तरह से अच्छी है, क्योंकि इससे थोड़ी–थोड़ी गैस बाहर निकल जाएगी और अंदर का दबाव कम होगा। इससे अधिकारियों को अंदर के केमिकल को ठंडा करके जमाने का समय मिल जाएगा। कंपनी और प्रशासन मिलकर इस खतरे को टालने में जुटे हैं।

`भारत–इस्राइल बन सकते हैं दुनिया के सबसे ताकतवर साझेदार', जानें I2U2 पर क्या बोलीं इस्राइली विशेष दूत

एजेंसी/इस्राइल के विदेश मंत्रालय की विशेष दूत फ्लेउर हसन–नाहूम ने भारत–पश्चिम एशिया–यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्डम्ब परियोजना में अभी भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं और भविष्य में I2U2 समूह फिर से गति पकड़ सकता है। उन्होंने भारत, इस्राइल और संयुक्त अरब अमीरात (न्।म) के बीच गहरे सहयोग की उम्मीद जताई। फ्लेर हसन–नाहूम ने कहा कि प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस्राइल यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच कई अहम व्यापारिक समझौते हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूएई को भी इस साझेदारी का हिस्सा बनाया जा सकता है। I2U2 क्या है? I2U2 भारत, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और अमेरिका का एक साझा रणनीतिक मंच है, जिसकी शुरुआत 2021 में हुई थी। इस समूह का उद्देश्य आर्थिक सहयोग बढ़ाना, नई तकनीकों को बढ़ावा देना और विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त निवेश के जरिए आपसी साझेदारी को मजबूत करना है। इसे अक्सर पश्चिम एशिया का क्वाड भी कहा जाता है। I2U2 पर क्या बोली नाहूम? नाहूम ने कहा कि मैं नहीं मानती कि I2U2 खत्म हो चुका है। भारत, UAE और इस्राइल के बीच एक खास रिश्ता विकसित हो सकता है। अमेरिका इस पूरी कहानी में एक बड़े संरक्षक की भूमिका निभाता है। भारत के साथ ऐतिहासिक रिश्तों का जिक्र किया फ्लेर हसन–नाहूम ने अपने परिवार के भारत से ऐतिहासिक रिश्तों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनके पति का परिवार कोलकाता का प्रसिद्ध नाहूम परिवार है, जो बगदादी यहूदियों से जुड़ा हुआ है। यह परिवार 1800 के दशक में भारत आया था और कोलकाता के न्यू मार्केट में पश्चिमी शैली की पहली बेकरी शुरू की थी, जो आज भी 150 साल बाद संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह भारत की सामाजिक सद्भावना और विविधता की खूबसूरत मिसाल है। बेकरी के मालिक यहूदी हैं, प्रबंधन हिंदू करता है, कर्मचारी मुस्लिम हैं और ग्राहक हर धर्म के लोग हैं। भारत के प्रति अपने लगाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने राजस्थान, दक्षिण भारत और कोलकाता समेत देश के कई हिस्सों की यात्रा की है। उन्होंने भारतीय संस्कृति, लोगों और खानपान की जमकर तारीफ की। पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर क्या बोली नाहूम? पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर बोलते हुए फ्लेर हसन–नाहूम ने कहा कि जब तक ईरान में मौजूदा शासन कायम है, तब तक स्थायी शांति की संभावना मुश्किल बनी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान क्षेत्र में आतंकवादी नेटवर्क और प्रॉक्सी समूहों के जरिए अस्थिरता फैलाता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में युद्धविराम या शांति समझौते की कोशिशें हो सकती हैं, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि ईरान अपना परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रम छोड़ेगा। भारत–इस्राइल लोकतांत्रिक मूल्य साझा करते हैं भारत–इस्राइल संबंधों पर उन्होंने कहा कि दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्य साझा करते हैं और समान क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उनके मुताबिक भारत की मानव संसाध न क्षमता और इस्राइल की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में बेहद मजबूत साझेदारी बना सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और इस्राइल मिलकर एक अजेय साझेदार बन सकते हैं। भारत की प्रतिभा और इस्राइल के नवाचार का मेल भविष्य की दुनिया को नई दिशा दे सकता है।

मंगल के बेहद करीब पहुंचा नासा का यान, लाल ग्रह की भेजीं हैरान करने वाली तस्वीरें

वॉशिंगटन, एजेंसी। नासा का साइक अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह के बेहद करीब से गुजरते हुए बड़ी वैज्ञानिक सफलता हासिल करने में कामयाब रहा है। इस यान ने लाल ग्रह की बेहद साफ और दुर्लभ तस्वीरें पृथ्वी पर भेजी हैं। 15 मई को हुए इस हाई–स्पीड फ्लाईबाय के दौरान यान मंगल की सतह से सिर्फ 4,609 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह मिशन सिर्फ तस्वीरें लेने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका मकसद अंतरिक्ष यान की रफ्तार बढ़ाना और उसकी दिशा बदलना भी था। इस उपलब्धि को नासा के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक दोनों नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है। आखिर मंगल के इतने करीब क्यों पहुंचा था यान?

नासा के अनुसार साइक मिशन के तहत अंतरिक्ष यान को मंगल के गुरुत्वाकर्षण का फायदा देने के लिए उसके बेहद करीब ले जाया गया। वैज्ञानिक इस तकनीक को ग्रैविटी असिस्ट कहते हैं। इसमें किसी ग्रह की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का इस्तेमाल कर यान को अतिरिक्त गति दी जाती है। इससे यान को अपने इंजन से कम ईंधन खर्च करना पड़ता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तकनीक की मदद से अंतरिक्ष मिशनों को लंबी दूरी तक अधिक प्रभावी तरीके से भेजा जा सकता है। यान ने कौन–कौन सी तस्वीरें भेजीं? फ्लाईबाय के दौरान यान में लगे मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर ने मंगल ग्रह की सतह की कई शानदार तस्वीरें कैद कीं। इनमें मंगल के दक्षिणी उच्चभूमि क्षेत्र और विशाल डबल–रिंग ह्यूजेंस क्रेटर की तस्वीरें सबसे खास मानी जा रही हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ह्यूजेंस क्रेटर का व्यास करीब 470 किलोमीटर है। तस्वीरों में मंगल की प्राचीन और गड्ढों से भरी सतह बेहद स्पष्ट दिखाई दे रही है। इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को लाल ग्रह के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद मिलने की उम्मीद है। मिशन के लिए यह फ्लाईबाय कितना अहम माना जा रहा है? नासा और जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों के अनुसार यह फ्लाईबाय पूरे मिशन का बेहद महत्वपूर्ण चरण था। मंगल के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल कर यान की दिशा को सही मार्ग पर स्थापित किया गया। खास बात यह रही कि इसके लिए अतिरिक्त ईंधन खर्च नहीं करना पड़ा। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह की तकनीक भविष्य के गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है। अंतरिक्ष अनुसंधान में क्यों महत्वपूर्ण है यह उपलब्धि? विशेषज्ञों के मुताबिक साइक मिशन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मंगल के करीब पहुंचकर इतनी स्पष्ट तस्वीरें लेना और साथ ही यान की गति बढ़ाना दोनों बड़ी सफलता हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे भविष्य में दूसरे ग्रहों और क्षुद्रग्रहों तक पहुंचने वाले मिशनों को नई दिशा मिलेगी। नासा लगातार गहरे अंतरिक्ष मिशनों के जरिए ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने की कोशिश कर रहा है।

अगर मैं डील करूंगा, तो वह बेहतरीन होगी, ईरान के साथ समझौते पर बोले ट्रंप, ओबामा पर कसा तंज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि अगर उनकी सरकार ईरान के साथ कोई समझौता करती है तो वह "अच्छा और सही समझौता" होगा। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर में हुए परमाणु समझौते पर निशाना साधते हुए कहा कि उस डील ने ईरान को भारी मात्रा में नकदी दी और परमाणु हथियार तक पहुंचने का खुला रास्ता दिया। ट्रंप ने दावा किया कि उनकी संभावित डील पूरी तरह इसके उलट होगी और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी। ओबामा की डील पर ट्रंप ने क्या आरोप लगाए? ट्रंप ने कहा कि ओबामा प्रशासन ने ईरान के साथ जो समझौता किया था, वह अमेरिका के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। उनके मुताबिक उस डील से ईरान को आर्थिक फायदा मिला और उसने अपनी परमाणु गतिविधियों को आगे बढ़ाने का मौका हासिल किया। ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ऐसी कोई गलती नहीं दोहराएगी। उन्होंने साफ कहा कि वह "खराब समझौते" नहीं करते और उनकी प्राथमिकता अमेरिका की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता होगी। ट्रंप ने अपने विरोधियों पर भी निशाना साधा और कहा कि जो लोग इस संभावित समझौते की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें अभी इसकी पूरी जानकारी ही नहीं है। क्या अभी पूरी तरह तैयार नहीं हुई है नई डील? अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी साफ किया कि ईरान के साथ संभावित समझौता अभी पूरी तरह तैयार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि बातचीत जारी है और अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। ट्रंप के मुताबिक, अभी तक किसी ने इस डील को देखा नहीं है और न ही इसके सभी बिंदु तय हुए हैं। इसके बावजूद कुछ लोग लगातार आलोचना कर रहे हैं।

क्या ईरान के साथ समझौता करने को छटपटा रहा US?: रूबियो बोले- होर्मुज खुले तो परमाणु वार्ता पर चर्चा को तैयार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल देता है, तो अमेरिका उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर बहुत गंभीर

बातचीत के लिए तैयार है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूबियो के बयान से संकेत मिलता है कि वॉशिंगटन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ सकता है और ऐसे अंतरिम समझौते को स्वीकार कर सकता है, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तत्काल फैसला न हो। नई दिल्ली यात्रा के दौरान रूबियो ने अखबार से बातचीत में कहा, ष्आप 72 घंटे में किसी कागज के पीछे बैठकर परमाणु समझौता नहीं कर सकते। सबसे पहले जलडमरूमध्य को तुरंत खोला जाना चाहिए। इसके बाद तय मानकों के तहत हम संवर्धन, उच्च संवर्धित यूरेनियम और ईरान की इस प्रतिबद्धता पर गंभीर बातचीत करेंगे कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। रूबियो ने दी ईरान को हमले की धमकी

मार्को रूबियो ने कहा, ष्इस प्रक्रिया में वर्षों नहीं लग सकते, लेकिन तकनीकी मुद्दों को सुलझाने में कुछ समय जरूर लगेगा।ष रूबियो ने संकेत दिया कि अगर दो महीने के भीतर बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकलता है, तो अमेरिका फिर से ईरान के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दे सकता है। उन्होंने कहा, ष्आखिरकार दृष्टिकोण को वह नतीजा देना होगा जो हम चाहते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो 60 दिनों बाद भी राष्ट्रपति के पास वही सभी विकल्प होंगे, जो अभी मौजूद हैं। अमेरिका और ईरान के बीच एक संभावित समझौता होने के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, दोनों देशों की ओर से अब तक इस संभावित समझौते का कोई सार्वजनिक विवरण जारी नहीं किया है। कई आलोचकों का कहना है कि चरणबद्ध समझौते से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आगे की बातचीत में पकड़ कमजोर हो सकती है।

व्हाइट हाउस गोलीबारी: सीक्रेट सर्विस के प्रमुख ने जांबाज अफसरों को सराहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने भी जताया आभार

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस के पास हुई गोलीबारी की घटना के बाद अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर सीन एम कुरन ने अपने अधिकारियों और जवानों की बहादुरी की जमकर तारीफ की है।

वाशिंगटन डीसी के 17वें स्ट्रीट और पेनसिल्वेनिया एवेन्यू पर हुई इस वारदात को लेकर जारी एक आधिकारिक बयान में उन्होंने कहा, श्मैं कल रात एक हथियारबंद शूटर का डटकर सामना करने वाले सीक्रेट सर्विस के पुलिस अधिकारियों की कार्रवाई की सराहना करता हूं। हमारे जवानों की ट्रेनिंग, सतर्कता, सही पोजिशनिंग और तुरंत उठाए गए कदमों ने कई लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।